

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 37 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

छत्तीसगढ़ में स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर सीधी भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर सीधी भर्ती के लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 20 नवंबर 2026 से आवेदन कर सकेंगे, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2026 की शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार स्पेशल एजुकेटर के 38 पदों पर भर्ती के लिए विस्तृत विज्ञापन विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में व्यक्तिगत रूप से अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर एवं सरगुजा में जमा किए जा सकेंगे। सभी कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

खाटूश्यामजी मंदिर के पास भोजनालय में लगी भीषण आग

जयपुर। राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी मंदिर के पास शुक्रवार को एक भोजनालय में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग मंदिर के निकास मार्ग पर कला भवन धर्मशाला के सामने स्थित नंद भोजनालय में लगी। घटना के समय इलाके में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। आग की लपटें देखकर वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए दमकल की पांच गाड़ियों को लगाया गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

एनकाउंटर में ढेर गैंगस्टर नसीम दुर्रानीः डी-कंपनी से था कनेक्शन

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नोएडा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में कुख्यात गैंगस्टर नसीम दुर्रानी ढेर हो गया है। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील के संपर्क में रहा नसीम हाल ही में मंत्री कपिल मिश्रा के दफ्तर के बाहर हुई हत्या के मामले में फरार चल रहा था। दिल्ली के एक हाई-प्रोफाइल हत्याकांड में वांटेड चल रहे नसीम दुर्रानी की पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। पुख्ता सूचना के आधार पर नोएडा एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने यूपी के बुलंदशहर में घेराबंदी की, जहां नसीम और पुलिस टीम के बीच दोनों तरफ से कई राउंड फायरिंग हुई। इस मुठभेड़ में नसीम दुर्रानी को कई गोलियां लगीं और पुलिस टीम उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

25 करोड़ की रंगदारी मामलाः शोएब ढेबर को हाईकोर्ट से राहत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने रंगदारी के मामले में आरोपी शोएब ढेबर को राहत देते हुए उसकी दोबारा गिरफ्तारी के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायालय की न्यायमूर्ति पीपी साहू की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए निचली अदालतों के फैसलों को स्थगित कर दिया। उच्च न्यायालय ने 27 सितंबर को रिमांड कोर्ट द्वारा आरोपी को दी गई जमानत के निर्णय को ही सही ठहराया है। अदालत के इस फैसले से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कोर्ट द्वारा जारी पुनर्गिरफ्तारी के आदेश निष्प्रभावी हो गए हैं।

आंध्र-ओडिशा के तट से टकराया चक्रवात अकवान तटीय क्षेत्र में भारी बारिश, छत्तीसगढ़ में दिखा असर

आंध्र-ओडिशा और पश्चिम बंगाल में चक्रवात का सर्वाधिक असर, छत्तीसगढ़ में सुबह से हो रही बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चक्रवाती तूफान अकवान शुक्रवार सुबह करीब 7.30 से 8:30 बजे आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच गोपालपुर तट से टकराया। चक्रवात के लैंडफॉल के बाद ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश हो रही है। अकवान का असर छत्तीसगढ़ में भी दिख रहा है। इसके कारण बस्तर संभाग में बारीश का दौर जारी है। वहीं दुर्ग भिलाई व राजधानी रायपुर में सुबह से बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार आकवान के लैंडफाल का सबसे ज्यादा असर दो घंटो तक रहा।

आंध्र और ओडिशा के तटीय क्षेत्र में एक माह के भीतर तीसरी बार साइक्लोन आया है। इस बार आकवान ने आंध्र ओडिशा में तबाही मचा रहा है। इसके कारण तटीय क्षेत्रों के साथ उत्तर पश्चिम के 10 राज्यों में इसका असर दिख रहा है। एक ओर जहां अकवान के कारण आंध्र ओडिशा और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। छत्तीसगढ़ में इसका असर सुबह से ही दिख रहा है। बस्तर संभाग में भारी बारिश का अनुमान है। शुक्रवार को सुबह से ही बारिश का दौर जारी है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि तट से टकराने के बाद शुक्रवार शाम तक अकवान तूफान कमजोर होकर 'डीप डिप्रेशन' में



बदल जाएगा और शनिवार सुबह तक एक 'वेल-मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' (कम दबाव का क्षेत्र) में तब्दील हो जाएगा। चक्रवात के तट से टकराने (लैंडनफॉल) के दौरान सामान्य समुद्री ज्वार से गजपति, गंजाम, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा, पुरी, बालासोर, क्योंझर, मयूरभंज, संबलपुर, सुंदरगढ़ और देवगढ़ सहित कई क्षेत्रों में अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) आने का मध्यम से उच्च जोखिम है। ओडिशा में करीब तीन लाख लोगों लोगों को शिफ्ट कर दिया गया है। इनके लिए 2,523 राहत शिविर बनाए गए हैं और 423 रेस्क्यू टीमें तैनात हैं। पूर्वी रेलवे ने 41 ट्रेनें जबकि दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द की हैं।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में दिखा अकवान का असर

छत्तीसगढ़ में चक्रवाती तूफान 'अकवान' का असर दिखने लगा है। रायपुर में गुरुवार रात करीब 11 बजे के बाद मौसम बदला। ठंडी हवाओं के साथ हल्की बारिश शुरू हुई। तापमान में गिरावट और ठंडक बढ़ने से शहर में कुछ जगह लोग अलाव जलाकर आग तापते नजर आए। वहीं, अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पेंड्रा जिले में भी सुबह से बादल छाए हुए हैं और जगह-जगह रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। बारिश से तापमान में गिरावट आई है और मौसम ठंडा हो गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह रायपुर समेत प्रदेश के 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। अलर्ट वाले जिलों में रायपुर के अलावा बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद शामिल हैं।

वंदे भारत समेत 39 ट्रेनें रद्द

मौसम विभाग ने 'अकवान' चक्रवात को लेकर अलर्ट जारी किया है, जिसके बाद वंदे भारत समेत 39 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। रेलवे ने अकवान चक्रवात के ओडिशा तट की ओर बढ़ने के कारण, एहतियात के तौर पर पूर्व तटीय रेलवे ने 39 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। बता दें कि ये ट्रेनें 19, 20 और 21 नवंबर, 2026 को चलने वाली थीं। पूर्व तटीय रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक राउत के मुताबिक, ये फैसला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चक्रवात के दौरान रेल परिचालन में किसी भी तरह के जोखिम से बचने के लिए लिया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें, पैसेंजर ट्रेनें, मेमू सेवाएं और वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। इतना ही नहीं 28 अन्य ट्रेनों के प्रस्थान के समय में भी बदलाव किया गया है।

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : 2292 पदों की परीक्षा से रोक हटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सहायक शिक्षक और शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर बना असमंजस खत्म हो गया है। बिलासपुर हाईकोर्ट ने इस भर्ती परीक्षा पर लगी रोक हटा दी है। इस फैसले से 2,292 पदों पर होने वाली नियुक्तियों का मार्ग प्रशस्त हो गया है। कोर्ट के इस निर्णय से परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है।

मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस कृष्णराम महापात्र और जस्टिस संतोष शर्मा की डिवीजन बेंच ने की। याचिकाकर्ताओं ने राज्य शासन के भर्ती विज्ञापन को चुनौती दी थी। उन्होंने आरक्षण रोस्टर और दिव्यांग अभ्यर्थियों की शर्तों पर आपत्ति जताई थी। कोर्ट को अवगत कराया गया कि पूर्णत: दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिला। याचिकाकर्ताओं ने इसे संविधान से मिले अधिकारों का उल्लंघन बताया। सामान्य प्रशासन विभाग के सर्कुलर में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण प्रावधान हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने कोर्ट के निर्देश पर पोर्टल खोलकर आवेदन का अवसर दिया था।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि समाज कल्याण विभाग के सर्कुलर में भी प्रावधान हैं। इसके बावजूद भर्ती विज्ञापन में पूर्णत: दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को बाहर रखा गया। यह कदम संविधान से मिले अधिकारों का उल्लंघन था। कोर्ट के निर्देश के बाद ही दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर मिला। कर्मचारी चयन आयोग ने भर्ती परीक्षा के लिए तैयारियां पूरी कर ली थीं। सहायक शिक्षक की परीक्षा 11 अक्टूबर और शिक्षक पद की परीक्षा 25 अक्टूबर को प्रस्तावित थी। कानूनी प्रक्रिया के कारण परीक्षा कार्यक्रम प्रभावित हुआ था। अब हाईकोर्ट से स्थगन हटने के बाद परीक्षा पहले घोषित नई तिथियों पर होगी।

वेलिंगटन टेस्ट के दूसरे दिन राहुल और यशस्वी की फिफ्टी, स्कोर 159/1

वेलिंगटन। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। उसने मैच के दूसरे दिन स्टंप्स तक पहली पारी में एक विकेट पर 159 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने शुक्रवार को 130 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। यशस्वी 85 रन बनाकर आउट हुए। राहुल 52 रन बनाकर नाबाद हैं। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी पहली फिफ्टी है।

इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 368 रन पर ऑलआउट हो गई। हेनरी निकल्स 335 गेंद पर 175 रन बनाकर नाबाद रहे। ग्लेन फिलिप्स ने 118 रन बनाए। दोनों के बीच 216 रन की साझेदारी हुई।



वेलिंगटन में खेले जा रहे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने सबसे अधिक 4 विकेट झटके। आकाशदीप को 3, अंशुल कंबोज को 2 और प्रसिद्ध कृष्णा को एक विकेट मिला।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत मजूत स्थिति में है। शानदार शुरूआत के बाद तीसरे दिन भारत का लक्ष्य बड़ा स्कोर करने का रहेगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मां का निधन, लंबे समय से थीं बीमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का आज 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने



शुक्रवार सुबह 11 बजे पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में शोक है। जानकारी के अनुसार, कल शनिवार को हरिद्वार में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपनी मां से आखिरी मुलाकात इसी साल मई में हुई थी। वह अपने दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर 7 मई को पैतृक गांव पंचूर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गांव में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और परिजनों से मुलाकात की। 8 मई को कार्यक्रमों के बाद वह अपने पैतृक आवास पहुंचे, जहां उन्होंने मां सावित्री देवी का आशीर्वाद लिया था।

10 करोड़ के सरकारी भवन में गड़बड़ी : निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, इंजीनियर सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के बगीचा विकासखंड में बन रहे पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन के निर्माण में गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियां सामने आई हैं। निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने के बाद लोक निर्माण विभाग ने कार्रवाई करते हुए उपसंभागीय अधिकारी रमेश प्रसाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता विजय कुमार भतपहरी ने



19 नवंबर 2026 को निलंबन आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक, बगीचा में निर्माणाधीन पॉलिटेक्निक कॉलेज भवन का काम निर्धारित गुणवत्ता के अनुरुप नहीं कराया जा रहा था। निर्माण में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद संबेधित इंजीनियर पर कार्रवाई की गई है।

लोक निर्माण विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि रमेश प्रसाद सिंह के खिलाफ आरोप पत्र तैयार कर उससे जुड़े दस्तावेज और सीडी सहित सात दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। इससे मामले में आगे की विभागीय कार्रवाई का रास्ता साफ होगा।

4 आईएएस अफसरों को प्रमोशन : सुबोध सिंह-निहारिका अपर मुख्य सचिव, रोहित यादव-कमलप्रीत प्रमुख सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के चार आईएएस अधिकारियों को पदोन्नति दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने गुरुवार को प्रमोशन आदेश जारी कर दिया है। सरकार ने 1997 बैच के आईएएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह और निहारिका बारिक को अपर मुख्य सचिव बनाया है। साथ ही, राज्य प्रशासन ने 2002 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. रोहित यादव और डॉ. कमलप्रीत सिंह को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत किया है। निर्धारित रिक्तियों के आधार पर राज्य सरकार ने इन चारों अधिकारियों को यह पदोन्नति सौंपी है।

2002 बैच के अधिकारी डॉ. रोहित यादव और डॉ. कमलप्रीत सिंह को प्रमुख



सचिव वेतनमान (पे मैट्रिक्स लेवल-15) में प्रोन्नत किया गया है। दोनों अधिकारियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक नई पदस्थापना पर तैनात किया गया है। आदेश के अनुसार डॉ. रोहित यादव को वित्त विभाग के प्रमुख सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई है। वे जनसंपर्क विभाग के प्रमुख सचिव और पेंशन निराकरण समिति के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। इससे, पहले डॉ. रोहित यादव वित्त विभाग के सचिव पद पर कार्यरत थे और उनके पास जनसंपर्क विभाग के सचिव तथा पेंशन निराकरण समिति के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार था।

दूसरे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. कमलप्रीत सिंह को स्कूल शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। डॉ. कमलप्रीत सिंह इससे पूर्व स्कूल शिक्षा विभाग में सचिव थे। पदोन्नति के बाद शासन ने उन्हें उसी विभाग में शीर्ष प्रशासनिक पद पर पदस्थ किया है। यह पदोन्नति केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी पत्र के निर्देशों के तहत पूरी की गई है। केंद्रीय विभाग ने छत्तीसगढ़ कैडर के लिए प्रमुख सचिव वेतनमान में पदोन्नति हेतु दो रिक्तियों का निर्धारण किया था।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिव बदलेः विधायक देवेंद्र यादव समेत 25 नेताओं को किया प्रभार से मुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस ने संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा बदलाव किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने 81 सचिवों की नियुक्ति और जिम्मेदारियों में बदलाव की सूची जारी की है। कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने नई नियुक्तियों को लेकर प्रेस रिलीज जारी की है।

इसके तहत छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव भी बदल दिए गए हैं। अब जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह को छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले यह जिम्मेदारी विजय जांगिड और एसए संपत कुमार संभाल रहे थे। वहीं, जरिता



लैतफलांग को छत्तीसगढ़ के प्रभार से हटाकर नॉर्थ ईस्ट के राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के मुताबिक, सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। इस फेरबदल में छत्तीसगढ़ के कुछ नेताओं को दूसरे राज्यों में भी संगठन की जिम्मेदारी दी गई है।

छत्तीसगढ़ के नेता कोको पाढ़ी को ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रभारी सचिव बनाया गया है। वहीं, नरेश ठाकुर को गुजरात PCC की जिम्मेदारी सौंपी गई है इस तरह जितेंद्र बघेल और हरनाम सिंह छत्तीसगढ़ में संगठन का काम देखेंगे, जबकि कोको पाढ़ी और नरेश ठाकुर दूसरे राज्यों में पार्टी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

फेरबदल के तहत भिलाई नगर से विधायक देवेंद्र यादव को एआईसीसी सचिव की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है। वे गुजरात पीसीसी के प्रभारी सचिव थे। उनके अलावा विजय जांगिड और एसए संपत कुमार समेत कुल 25 सचिवों और संयुक्त सचिवों को उनकी मौजूदा जिम्मेदारियों से हटाया गया है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर विवाद सुको का अलग सुनवाई से इनकार

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक याचिका पर अलग से सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में 2023 के उस कानून पर फिर से विचार करने की मांग की गई थी, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (सीजेआई) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति होती है। दरअसल, इस कानून को चुनौती देने वाले मामले में दो जजों की बेंच ने अलग-अलग राय दी थी। अब इस बंटे हुए फैसले को वापस लेने और मामले पर दोबारा विचार करने की मांग की गई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की एक पीठ ने कहा कि 'रीकॉल' (वापसी) आवेदन, और साथ ही रेफरेंस आदेश को चुनौती देने वाली किसी भी याचिका पर, पांच न्यायाधीशों वाली उस संविधान पीठ की ओर से विचार किया जा सकता है, जिसे पहले ही 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए गठित किया गया है।



संपादकीय

कई मकसद

भारत की एशिया संबंधी कूटनीति

हर साल, 11 सदस्य देशों वाले 'एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस' (आसियान) का शिखर सम्मेलन राजनयिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट) के जरिए, भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अपने सभी साझेदारों के साथ बातचीत करने और वैश्विक ताकतों के साथ जुड़ने का मौका मिलता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ बातचीत एक ऐसे भविष्य पर केंद्रित रही, जो प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग के जरिए आकार लेगा। इस साल, फिलीपींस द्वारा मनीला में इस आयोजित शिखर सम्मेलन के कई अन्य महत्वपूर्ण मकसद भी थे।

> "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ बातचीत एक ऐसे भविष्य पर केंद्रित रही, जो प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग के जरिए आकार लेगा। इस साल, फिलीपींस द्वारा मनीला में इस आयोजित शिखर सम्मेलन के कई अन्य महत्वपूर्ण मकसद भी थे। ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी और खाड़ी देशों पर किए गए हमलों के बाद, यह पहला आसियान शिखर सम्मेलन था। इन घटनाओं ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में ऊर्जा एवं व्यापार को पूरी तरह से उलट-पलट कर रख दिया है। ईस्ट एशिया समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दुनिया में शांति, स्थिरता और निश्चितता का आह्वान, इस क्षेत्र के साथ-साथ अमेरिका, रूस और चीन के नेताओं को भी संबोधित था।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी और खाड़ी देशों पर किए गए हमलों के बाद, यह पहला आसियान शिखर सम्मेलन था। इन घटनाओं ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में ऊर्जा एवं व्यापार को पूरी तरह से उलट-पलट कर रख दिया है। ईस्ट एशिया समिट (ईएएस) के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दुनिया में शांति, स्थिरता और निश्चितता का आह्वान, इस क्षेत्र के साथ-साथ अमेरिका, रूस और चीन के नेताओं को भी संबोधित था। प्रधानमंत्री के इस दौरे का एक द्विपक्षीय संदर्भ भी था - अगस्त 2025 में राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस की दिल्ली यात्रा के बाद से, पिछले एक साल में फिलीपींस और भारत के बीच रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। इसमें रणनीतिक साझेदारी को उन्नत करना, समुद्री आदान-प्रदान तथा फिलीपींस को भारत में बनी और ज्यादा ब्रह्मोस मिसाइल बैटरी प्रणालियों की आपूर्ति को लेकर बातचीत शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'क्वाड' समूह में दिलचस्पी न होने को लेकर महीनों तक बनी रही चिंताओं के बाद, इस साल अमेरिका ने आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के 'क्वाड' नेताओं के एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने का फैसला किया। यह पहला मौका है जब यह शिखर सम्मेलन किसी ऐसे देश में आयोजित किया गया है जो 'क्वाड' का हिस्सा नहीं है।

दांव पर लगी चीजों के मद्देनजर, मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक के बाद एक शिरकत किए गए तीन शिखर सम्मेलनों के कई नतीजे सामने आए - आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आपदा प्रबंधन पर नए सहयोग की शुरुआत हुई और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का मुख्य जोर साइबर अपराध से निपटने पर रहा। भारत द्वारा सभी आसियान नागरिकों को मुफ्त पर्यटक वीजा देने संबंधी प्रधानमंत्री मोदी के एलान से लोगों के बीच आपसी मेलजोल और व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। क्वाड शिखर सम्मेलन में, राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई घोषणाएं कीं। इनमें 'क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम' की शुरुआत और गश्ती विमानों के साथ क्वाड का पहला नौसैनिक अभ्यास शामिल है। 'क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम' की बैठक अगले साल मुंबई में आयोजित की जाएगी। हालांकि, मनीला के नतीजों की अहमियत शेंझेन में होने वाले 'एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक कॉन्फ्रेंस' (एपेक) को लेकर उपजी उत्सुकता के सामने फीकी पड़ गई। शेंझेन में गुरुवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ट्रम्प की एक अभूतपूर्व त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की योजना है। नई दिल्ली को वैश्विक महाशक्तियों के बीच होने वाले इस शिखर सम्मेलन के नतीजों पर कहीं ज्यादा बारीकी से नजर रखनी चाहिए।

आसियान मंच : भारत का दबदबा मोदी की कूटनीतिक गूंज

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल 'बड़ा बाजार' या 'उभरती अर्थव्यवस्था' के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया।

किसी देश का वैश्विक प्रभाव केवल उसकी आर्थिक शक्ति, सैन्य क्षमता या जनसंख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से भी तय होता है कि विश्व की महत्वपूर्ण शक्तियाँ उसकी बात को कितनी गंभीरता से सुनती हैं। आज भारत इसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया के 11 देशों के संगठन आसियान का भारत सदस्य नहीं है, फिर भी उसके सर्वोच्च सम्मेलनों में भारत की उपस्थिति जिस सम्मान और अपेक्षा के साथ होती है, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। हाल ही में फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुए 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय भागीदारी ने इस बदलती तस्वीर को और स्पष्ट किया है। यह दृश्य अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत आसियान का सदस्य नहीं है, लेकिन आसियान की भविष्य-चर्चा में भारत को अलग रखकर क्षेत्रीय समीकरणों की कल्पना करना कठिन होता जा रहा है। यही भारत की कूटनीतिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। 1991 की 'लुक ईस्ट' नीति से शुरू हुई यात्रा 2014 में 'एक्ट ईस्ट' नीति और अब व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं आसियान को भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण के केंद्र में बताया है।

आसियान केवल भौगोलिक समूह नहीं है। यह आर्थिक शक्ति, समुद्री मार्गों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और हिंद-प्रशांत की रणनीतिक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र है। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और तिमोर-लेस्ते जैसे देश भारत के लिए व्यापार, निवेश, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक संपर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। मनीला में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और आसियान को प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग को आधार बनाकर शांति, स्थिरता और विकास का वातावरण तैयार करना चाहिए। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई और आसियान की एकता तथा केंद्रीयता को भारत के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह केवल कूटनीतिक भाषा नहीं है। इसके पीछे भारत की दीर्घकालीन रणनीति है-ऐसा हिंद-प्रशांत जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो, छोटे देशों को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चलाने की जगह मिले और समुद्री मार्ग खुले रहें।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक विशिष्ट पक्ष यह है कि उन्होंने भारत को केवल 'बड़ा बाजार' या 'उभरती अर्थव्यवस्था' के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। मनीला में इसका



प्रमाण अनेक द्विपक्षीय मुलाकातों में दिखाई दिया। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ मोदी ने रक्षा, अंतरिक्ष, रेल, वित्तीय तकनीक तथा व्यापार और निवेश में सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ डिजिटल क्षेत्र, कौशल, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा-सुरक्षा और आर्थिक सहयोग की समीक्षा हुई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, संपर्क, डिजिटल तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर विचार हुआ। मोदी की विदेश नीति का संदेश साफ है-भारत संबंधों का केवल दर्शक नहीं, बल्कि संबंधों की नई संरचना का सक्रिय निर्माता बनना चाहता है। इस पूरी यात्रा में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की राजनीतिक दृष्टि को वैश्विक कूटनीतिक संवाद में ठोस स्वरूप देने में जयशंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे केवल विदेश मंत्रालय के प्रशासक नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था को समझने वाले रणनीतिक चिंतक के रूप में भारत की विदेश नीति का प्रभावी चेहरा बने हैं। भारत की विदेश नीति में आज एक साथ अमेरिका, रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और आसियान देशों के साथ संबंधों को संतुलित रखने की क्षमता दिखाई देती है। यह संतुलन किसी एक खेमे में जाने के बजाय भारत के राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंधों को आकार देने की नीति को दर्शाता है। जयशंकर की कूटनीति का मूल संदेश भी यही रहा है कि भारत किसी शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपने हितों और अपनी सभ्यतागत दृष्टि के आधार पर विश्व से संबंध बनाएगा। प्रधानमंत्री की राजनीतिक सक्रियता और विदेश मंत्री की रणनीतिक कूटनीति का यह संयोजन भारत की विदेश नीति को अधिक प्रभावशाली बना रहा है। मनीला सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति ने भी इस यात्रा को विशेष महत्व दिया। 17 नवंबर को मनीला में पहली बार क्वाड नेताओं का शिखर-स्तरीय संवाद हुआ, जिसमें मोदी, ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची साने और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज शामिल हुए। इस घटनाक्रम का संदेश बहुत व्यापक है। भारत एक ओर आसियान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत की रणनीतिक संरचना को भी मजबूत कर रहा है। इसका अर्थ किसी देश के विरुद्ध मोर्चेबंदी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग में साझेदारी को बढ़ाना है। यहां मोदी की विदेश नीति का एक नया आयाम दिखाई देता है-भारत अब शक्ति-संतुलन का निष्क्रिय हिस्सा नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला केंद्र बनना चाहता है।

आसियान देशों के लिए चीन एक बड़ा आर्थिक साझेदार है, लेकिन उसके साथ समुद्री और रणनीतिक विवाद भी हैं। दक्षिण चीन सागर में तनाव, आर्थिक निर्भरता और क्षेत्रीय प्रभाव की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान देश किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। यही भारत के लिए बड़ा अवसर है। भारत को चीन का विकल्प बनने की जल्दबाजी करने के बजाय विश्वसनीय विकल्प बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए व्यापार घाटे को कम करना, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाना, आपूर्ति श्रृंखलाओं में भागीदारी बढ़ाना, निवेश को प्रोत्साहित करना और भारत-आसियान संपर्क परियोजनाओं को तेजी देना आवश्यक है। मनीला में घोषित समुद्री सहयोग योजना, साइबर प्रशिक्षण, अंतरिक्ष सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, परमाणु ऊर्जा, युवाओं और स्टार्ट-अप सहयोग तथा नालंदा में आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहलें इसी नई दिशा की ओर संकेत करती हैं।

भारत-आसियान संबंधों की सबसे बड़ी चुनौती व्यापार असंतुलन है। केवल आयात बढ़ाना या बाजार खोलना पर्याप्त नहीं होगा। भारतीय उद्योग को आसियान के बाजारों में अधिक आक्रामक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी उपस्थिति बनानी होगी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। भारत की ताकत केवल अर्थव्यवस्था नहीं, उसकी संस्कृति भी है। रामायण की परंपरा से लेकर बौद्ध दर्शन, भारतीय भाषाओं, योग, आयुर्वेद और समुद्री व्यापार की प्राचीन स्मृतियों तक भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच सदियों पुराना संबंध है। आज आवश्यकता इस सभ्यतागत पूंजी को आधुनिक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी से जोड़ने की है। मनीला सम्मेलन की सबसे बड़ी सीख यह है कि भारत को आसियान को केवल विदेश नीति की एक इकाई के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसे भारत के आर्थिक, सामरिक और सभ्यतागत पुनर्संपर्क का द्वार बनाना चाहिए। यदि भारत व्यापार, तकनीक, समुद्री सुरक्षा और संपर्क के साथ संस्कृति, शिक्षा और युवाओं को जोड़ देता है, तो आसियान भारत के लिए केवल एक बाजार नहीं रहेगा, वह भारत के हिंद-प्रशांत भविष्य का स्वाभाविक साझेदार बन सकता है। आज प्रधानमंत्री मोदी जिस आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंचों पर भारत की बात रखते हैं, उसके पीछे वर्षों की कूटनीतिक मेहनत, संस्थागत तैयारी और विदेश मंत्रालय की निरंतर सक्रियता है। आसियान में भारत की स्वीकार्यता इस बात का प्रमाण है कि भारत की आवाज अब केवल सुनी नहीं जाती, बल्कि उस पर ध्यान भी दिया जाता है।

भारत की विदेश नीति का अगला लक्ष्य केवल विश्व में भारत की उपस्थिति दर्ज कराना नहीं होना चाहिए, लक्ष्य यह होना चाहिए कि विश्व की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के निर्माण में भारत की निर्णायक भूमिका हो। आसियान का मनीला मंच इसी बदलते भारत की तस्वीर सामने रखता है-भारत अब दुनिया के दरवाजे पर दस्तक देने वाला देश नहीं रहा, वह ऐसी शक्ति बन रहा है जिसके साथ दुनिया अपने भविष्य की रणनीति पर विचार करना चाहती है। यही मोदी युग की विदेश नीति की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले भारत की सबसे बड़ी संभावना है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अच्छी खेती का मतलब यह जानना भी है कि क्या नहीं उगाना है

एन. रघुरामन

हर किसान चाहता है उसकी फसल अच्छे-से बढ़े। इसलिए जब वह खाद, खासकर यूरिया डालता है तो उसे लगता है वह फसल को पोषण दे रहा है। पर अकसर एक अहम सवाल पर वह ध्यान नहीं देता-क्या वह सिर्फ फसल को फीड कर रहा है या साथ उगी खरपतवारों को भी? खेती में यह एक बड़ी गलती हो सकती है। जब किसान जरूरत से ज्यादा खाद डालता है, तो वह फसल ही नहीं, खरपतवार को भी पोषण दे रहा होता है, जो धूप, पानी, न्यूट्रिशन, जगह के लिए फसल से मुकाबला करती है। दूसरे शब्दों में, वह अपनी फसल को नुकसान पहुंचाने वाले पौधे को पनपाने में पैसा खर्च कर रहा होता है। मामला तब और अहम हो जाता है, जब सरकार यूरिया सब्सिडी पर सालाना 2 लाख करोड़ रुपए खर्च रही हो। 169 जिलों में असामान्य रूप से यूरिया की ज्यादा खपत के चलते कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (कैग) ने फर्टिलाइजर सब्सिडी सिस्टम और इसमें संभावित हेराफेरी की जांच शुरू की है। लेकिन समस्या का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

क्या किसानों को इस्तेमाल की जा रही हर किलोग्राम खाद का पूरा फायदा मिल रहा है? यूरिया प्लांट ग्रोथ के लिए जरूरी न्यूट्रिएंट नाइट्रोजन का स्रोत है। लेकिन इसी नाइट्रोजन से खरपतवार भी बढ़ती है। इसलिए अत्यधिक यूरिया फसल के साथ-साथ खरपतवार को भी बढ़ा सकता है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के ईडी और एमडी अंकुर अग्रवाल के मुताबिक, कुछ इलाकों में खेतों का बड़ा हिस्सा खरपतवार से भरा रहता है। सोचिए कि यदि किसान ऐसे खेत में खाद डालता है तो जिस न्यूट्रिशन पर वह खर्चा कर रहा है, उसका एक हिस्सा तो ऐसे पौधों को मिल सकता है, जो अंतत: मंडी में बिकने वाली पैदावार का हिस्सा बनेंगे ही नहीं। इसीलिए भारतीय खेती में खरपतवार प्रबंधन भी उतना ही अहम होना चाहिए, जितना कि खाद प्रबंधन।

दशकों से हमारा ध्यान वाटर-इफिशियंसी पर रहा है। ड्रिप इरिगेशन और प्रिसिजन इरिगेशन ने किसानों को फसल



की जरूरत के मुताबिक सिंचाई में मदद की, जिससे पानी की बर्बादी कम हुई। हमें न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट और खरपतवार नियंत्रण के लिए भी ऐसी ही अप्रोच अपनानी चाहिए। मकसद यह होना चाहिए कि फसल को जरूरत की चीजें जब और जहां जरूरत हो, वहां मिले। खरपतवारों को पोषण न मिले। इसके लिए समन्वित प्रयास चाहिए।

जैसे निजी कंपनियां हैंड वॉशिंग डे मनाकर और हैंड वॉशिंग प्रोडक्ट्स को प्रमोट करके ग्रामीण भारत में हाथ धोने की आदत डाल रही हैं, वैसे ही सरकार और एग्रोकेमिकल कंपनियों को भी डेमंस्ट्रेशन, ट्रेनिंग और एक्सटेंशन प्रोग्राम्स के जरिए किसानों तक एग्रीकल्चर नॉलेज पहुंचाना चाहिए।

निजी एग्रीकल्चर कंपनियों को भी अलग फसलों, मिट्टी, खेतों के आकार के मुताबिक व्यावहारिक समाधान विकसित करने चाहिए। कृषि विश्वविद्यालयों को भी खरपतवार पहचान और प्रबंधन को कॅरिकुलम में अहमियत देनी चाहिए। छात्रों को खेतों और मंडियों में भेजना चाहिए, ताकि वे किसानों की समस्याएं समझ सकें।

हमारे देश में 60% से ज्यादा मौजूद छोटी जोत के किसानों के लिए यह जानकारी खास तौर पर उपयोगी हो सकती है। वे खरपतवारों के पोषण पर पैसा खर्च करने या उनके कारण अपनी सीमित फसल का एक हिस्सा गंवाने का जोखिम नहीं उठा सकते।

खरपतवारों की समय रहते पहचान करने, सही मैकेनिकल और कल्चरल मैथडस अपनाने, क्रॉप-रोटेशन अपनाने और विवेकपूर्ण तरीके से हर्बिसाइड्स का इस्तेमाल करने से काफी फर्क पड़ सकता है। खाद भी मिट्टी की जांच और फसल की जरूरत के हिसाब से ही डालनी चाहिए, न कि इस धारणा से कि ज्यादा डालना हमेशा बेहतर होगा।

इससे मिलने वाली बड़ी सीख सरल है। किसान का काम महज फसल को पोषण देना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि खरपतवारों को पोषण न मिले। आखिरकार स्वस्थ खेत वह नहीं होता, जहां हर पौधा अच्छे-से बढ़े, बल्कि वह होता है, जहां सही पौधे को बेहतर बढ़ोतरी का मौका मिले।

पिघलते पहाड़ों के बीच सुलगता बड़ा संकट

पंकज चतुर्वेदी

जरूरी है कि जोखिम भरी झीलों की नियमित-वैज्ञानिक निगरानी हो। उपग्रह आधारित इमेजरी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सेंसर और स्वचालित जल स्तर मॉनिटरिंग उपकरणों को झीलों के पास लगाएं। ताकि दायरे में आने वाली आबादी को समय रहते सूचित किया जा सके।

उत्तराखंड की शांत और भव्य वादियां इन दिनों एक ऐसे अदृश्य खतरे के साये में जी रही हैं, जिसका ध्यान यदि समय रहते न किया गया तो परिणाम बेहद विदारक हो सकते हैं। केदारनाथ और संपूर्ण उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में तेजी से बन रही और विकराल होती ग्लेशियर झीलों के खतरे से समाज, शासन और नीति-निर्धारकों को सचेत होना होगा। ताकि समय रहते ठोस कदम उठाए जा सकें।

जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हिमालय के ग्लेशियर जितनी तेजी से पिघल रहे हैं, उससे पहाड़ों की छाती पर पानी के विशाल और खतरनाक भंडार तैयार हो रहे हैं। जून 2013 की केदारनाथ त्रासदी के घाव आज भी देश और प्रदेश के मन में ताजा हैं, जहां चौराबाड़ी ग्लेशियर में बनी झील के टूटने से जो तबाही आई थी, उसने हजारों जिंदगियों को निगल लिया था। उस दर्दनाक सबक के बावजूद यदि आज हम चेते नहीं हैं, तो आने वाले दिनों में प्रकृति का यह रौद्र रूप और भी अधिक भीषण तबाही लेकर आ सकता है।

इन खतरनाक झीलों के बनने के पीछे मुख्य कारण



ग्लोबल वार्मिंग और लगातार बढ़ता तापमान है, जिसके चलते हिमालयी ग्लेशियर असाधारण गति से पिघल रहे हैं। जब ग्लेशियर पीछे हटते हैं, तो उनके पीछे छोड़ी गई डिप्रेशन या खड्डुनुमा जगहों में पिघला हुआ पानी जमा होने लगता है, जिससे विशाल हिमनद झीलों का निर्माण होता है। इन झीलों के चारों ओर प्राकृतिक दीवारें होती हैं जो मुख्य रूप से ढीली चट्टानों, मिट्टी, मलबे और पत्थरों यानी मोरेन से बनी होती हैं। ये प्राकृतिक बांध अत्यधिक कमजोर और अस्थिर होते हैं क्योंकि ये कंक्रीट की तरह मजबूत नहीं होते।

दरअसल, जैसे-जैसे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है और तापमान बढ़ता है, इन झीलों में पानी का आयतन तेजी से बढ़ने लगता है, जिससे इन कमजोर प्राकृतिक दीवारों पर भारी दबाव पैदा होता है। इसके अलावा, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में होने वाली अत्यधिक और अचानक बारिश, बादल फटने की घटनाएं, भूस्खलन या फिर भूकंपीय गतिविधियां इन झीलों के लिए तात्कालिक ट्रिगर का काम करती हैं। जब अचानक कोई बड़ा हिमस्खलन या चट्टान टूटकर झील के पानी में गिरती है, तो पानी का भारी दबाव इन कमजोर मोरेन दीवारों को तोड़ देता है, जिसे ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लोफ कहा जाता है। इस पूरी स्थिति की संभावना डरावनी और कल्पना से परे है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य वैज्ञानिक संस्थानों ने उत्तराखंड में जोखिम भरी कई ग्लेशियर झीलों को चिह्नित किया है, जिनमें से कई को अत्यधिक उच्च जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। उदाहरण के लिए, उत्तरकाशी की केदारताल झील या चमोली की वसुधारा झील समेत राज्य के विभिन्न जिलों में ऐसी दर्जनों झीलें हैं जो समय के साथ लगातार फैल रही हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि यदि केदारताल जैसी झील का प्राकृतिक बांध टूट जाता है, तो महज कुछ ही मिनटों में वहां से निकलने वाली पानी की भीषण बाढ़ का सैलाब नीचे की बस्तियों, गांवों और तीर्थस्थलों को अपनी चपेट में ले सकता है।

दरअसल, इस तरह की अचानक आने वाली बाढ़ नदी के सामान्य प्रवाह से कई गुना अधिक तेज होती है और अपने साथ भारी मात्रा में बोल्डर, कीचड़, और मलबा लेकर चलती है। रास्ते में आने वाले पुल, सड़कें, बिजली परियोजनाएं और बस्तियां पलभर में नेस्तनाबूद हो जाती हैं। पानी की यह विशाल लहर कुछ ही पलों में सब कुछ तहस-नहस करने की क्षमता रखती है, जिससे न केवल व्यापक पैमाने पर जनजीवन प्रभावित होता है बल्कि सदियों पुराना पारिस्थितिकी तंत्र भी हमेशा के लिए बदल जाता है।

इस आसन्न संकट से निपटने और निदान के लिए अब हमें पूरी तरह से अपनी रणनीति बदलने की जरूरत है। प्रतिक्रियावादी आपदा राहत यानी आपदा आने के बाद मदद भेजने के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर अब हमें सक्रिय और पूर्व-सक्रिय आपदा तैयारियों की ओर कदम बढ़ाना होगा। सबसे पहले यह जरूरी है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित इन सभी संवेदनशील और जोखिम भरी झीलों की नियमित और वैज्ञानिक निगरानी की जाए। इसके लिए उपग्रह आधारित इमेजरी के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सेंसर और स्वचालित जल स्तर मॉनिटरिंग उपकरणों को इन झीलों के पास स्थापित किया जाना चाहिए ताकि पानी के स्तर में होने वाले हर छोटे-बड़े बदलाव की वास्तविक समय की जानकारी मिल सके। इसके अलावा, जिन झीलों में पानी का दबाव खतरनाक स्तर तक पहुंच चुका है, वहां वैज्ञानिक तरीकों से नियंत्रित निकासी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए ताकि अतिरिक्त पानी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला जा सके। हिमालयी क्षेत्रों में हो रहे अनियंत्रित और अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों पर रोक लगानी होगी और पर्यावरण प्रभाव आकलन को पूरी तरह से लागू करना होगा ताकि भविष्य के खतरों को कम किया जा सके।

केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर एक मजबूत और प्रभावी क्षेत्रीय प्रारंभिक चेतावनी तंत्र विकसित करना होगा ताकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

लेखक पर्यावरणविद् हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

त्याग, साहस और दृढ़ नेतृत्व की प्रतीक थीं इंदिरा गांधी : अरुण वोरा

दुर्ग। दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी का संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित रहा। वे त्याग, साहस और दृढ़ नेतृत्व की प्रतीक थीं। उनके साहसिक नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और ऐतिहासिक निर्णयों ने भारतीय राजनीति ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर भी अमिट छाप छोड़ी है। देश के प्रति उनका समर्पण और जनकल्याण के लिए किए गए कार्य सदैव याद किए जाते रहेंगे।
भारत की पूर्व प्रधानमंत्री एवं लौह महिला स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अरुण वोरा सहित पूर्व महापौर आर.एन. वर्मा, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, राहुल शर्मा, राकेश यादव, राहुल अग्रवाल, राजकुमार वर्मा, रत्ना नरमदेव, हरीश साहू, सुधीर चंदेल एवं के.डी. देवांगन शामिल हुए। सभी ने इंदिरा गांधी जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी जी के विचारों और आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा देश की लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष एवं एकता की परंपराओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में छात्राओं ने निभाई पक्ष-विपक्ष की भूमिका

दुर्ग। कृष्णा पब्लिक स्कूल नेहरू नगर भिलाई में आयोजित संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में कमिश्नर सत्यनारायण राठौर शामिल हुए। प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग के सात जिलों के स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक जिले से 55 प्रतिभागी सम्मलित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमिश्नर सत्यनारायण राठौर ने कहा कि युवा संसद प्रतियोगिता विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक और देश से जुड़े विषयों की जानकारी भी रखनी चाहिए। ऐसे आयोजन बच्चों को जागरूक बनाते हैं और भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।
प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कबीरधाम, द्वितीय स्थान खैरागढ़ तथा तृतीय स्थान बेमेतरा जिले के प्रतिभागियों ने प्राप्त किया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त विजेता प्रतिभागियों को एक-एक हज़ार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। साथ ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कबीरधाम के लोकसभा अध्यक्ष एवं प्रधान मंत्री तथा खैरागढ़ के नेता प्रतिपक्ष एवं गृह मंत्री, बेमेतरा के वित्त मंत्री एवं राजनांदगाव के मार्शल के लिए प्रोत्साहन राशि रूपये 21-21 सौ रुपए प्रदान किये गए। इस अवसर पर सेवानिवृत्त उपायुक्त बीके वर्मा भी उपस्थित थे। कमिश्नर सत्यनारायण राठौर ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया तथा सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मंत्री यादव ने साझा किए विचार, कहा- मातृभाषाओं में विज्ञान शिक्षा से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा ज्ञान

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। दुर्ग स्थित बीआईटी कॉलेज में आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, सभ्यता, लोकपरंपराओं एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के महत्व पर अपने विचार साझा किए। शिक्षा ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराएं और पारंपरिक ज्ञान हमारी पहचान एवं सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था प्रदेश की विकास यात्रा का मजबूत आधार है। हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषाओं में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के विषय पर आयोजित चर्चा में भी उन्होंने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में विज्ञान एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। जब विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में विज्ञान को समझेंगे, तो ज्ञान-विज्ञान की पहुंच अधिक व्यापक होगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचेगा।
उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक सोच का समन्वय ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षा और अनुसंधान को भारतीय भाषाओं से जोड़कर हम नई पीढ़ी में नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अपनी संस्कृति के प्रति गौरव की भावना विकसित कर सकते हैं।
कार्यक्रम में अकादमी से प्रोफेसर जी.डी. शर्मा, प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, प्रोफेसर एन.पी. चौबे, शिक्षाविद आई.पी. मिश्रा, बीआईटी प्राचार्य डॉ. अनूप मिश्रा, कुलपति डॉ. एन.सी. गौतम, डॉ. स्मिता सेलोट एवं सभापति श्याम शर्मा सहित शिक्षाविद, शोधार्थी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लांट गैरेज में नवीनीकृत चेन लोडर-707 का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लांट गैरेज की टीम ने आपसी समन्वय, समर्पण एवं कार्यकुशलता का परिचय देते हुए एसएमएस-2 के कन्वर्टर क्षेत्र के जीरो मीटर लेवल पर कार्यरत चेन लोडर-707 का सफलतापूर्वक नवीनीकरण एवं पुनरुद्धार किया। लंबे समय से अनुपलब्ध इस मशीन को पुनः परिचालन में लाने से कन्वर्टर क्षेत्र में हॉट मेटल स्लैग एवं मलबे की निकासी के कार्य को गति मिलेगी।



यह पहल उपकरणों की उपलब्धता एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन तथा संबंधित विभागों के सहयोग से लंबे समय से अनुपलब्ध इस मशीन को पुन: परिचालन योग्य बनाया गया।
नवीनीकृत चेन लोडर का शुभारंभ कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बी.के. बेहेरा ने किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) राजीव श्रीवास्तव, कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) एवं महाप्रबंधक (प्लांट गैरेज) बी.डी. बाबू, महाप्रबंधक (मार्स) एन.के. बंछोर सहित प्लांट गैरेज, सीबीडी एवं एसएमएस-2 के अधिकारीगण उपस्थित रहे।
उल्लेखनीय है कि चेन लोडर-707 का उपयोग कन्वर्टर क्षेत्र में हॉट मेटल स्लैग एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों (मलबे) की निकासी के लिए किया जाता है। इसकी उपलब्धता बहाल होने से कार्य में सुगमता आएगी तथा कन्वर्टर क्षेत्र की परिचालन गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी।
इस अवसर पर बी.के. बेहेरा ने प्लांट गैरेज की टीम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों और कार्मिकों द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी को आपसी समन्वय, उत्साह एवं प्रतिबद्धता के साथ इसी प्रकार कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ाने तथा परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जाने वाली ऐसी पहलों के लिए निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने का आश्वासन दिया। चेन लोडर के नवीनीकरण का कार्य बी.के. बेहेरा के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा बी.डी. बाबू के नेतृत्व में पूरा किया गया। इस कार्य में प्रदीप भौमिक एवं पार्थ घोष के देखरेख में प्लांट गैरेज की टीम एवं संबंधित विभागों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।
चेन लोडर-707 का पुनरुद्धार एवं पुन: परिचालन में आना मशीन की उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ एसएमएस-2 में स्लैग एवं मलबे की निकासी को अधिक सुगम बनाने में सहायक होगा। यह पहल उपकरणों के बेहतर रखरखाव, उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि तथा उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग की दिशा में भिलाई इस्पात संयंत्र के समन्वित प्रयासों को रेखांकित करती है।

दीपावली का पर्व अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का संदेश देता है : विजय बघेल



श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। भारतीय जनता पार्टी रिसाली मंडल द्वारा विभिन्न वार्डों में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। समारोह में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक विशेष रूप से शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नगरवासियों एवं कार्यकर्ताओं को दीपावली, छोटी दीपावली तथा देवउठनी एकादशी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। रिसाली मंडल के अंतर्गत रुआबांधा वार्ड क्रमांक-03, रुआबांधा वार्ड क्रमांक-06, तालपुरी बी ब्लॉक वार्ड क्रमांक-01 तथा आशीष नगर वार्ड क्रमांक-25 में चार अलग-अलग दीपावली मिलन समारोह आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। दीप प्रज्ज्वलन के साथ उत्सव का माहौल बना और सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी।
इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का संदेश देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की नई रोशनी फैली है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस रोशनी को समाज के हर घर तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी वार्डवासियों से समाज को संगठित, स्वच्छ और सशक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।
विधायक ललित चंद्राकर ने अपने संबोधन में कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का प्रतीक है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक खुशियां पहुंचाने के लिए संकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

बीएसपी की पुष्पा एम्ब्रोस, 7वें आईएसए स्टील कॉन्क्लेव-2026 में जेंडर डायवर्सिटी अवार्ड से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्रीमती पुष्पा एम्ब्रोस को इंडियन स्टील एसोसिएशन द्वारा 17 एवं 18 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित 7वें आईएसए स्टील कॉन्क्लेव-2026 में प्रतिष्ठित जेंडर डायवर्सिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार इस्पात उद्योग में समावेशिता को बढ़ावा देने तथा महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करने की दिशा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।
स्टील: फोर्जिंग द फाउंडेशन ऑफ विकसित भारत 2047 विषय पर आयोजित इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में केंद्र एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तित्वों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों तथा विभिन्न हितधारकों ने सहभागिता की। कॉन्क्लेव में भारतीय इस्पात उद्योग के भविष्य से जुड़े अवसरों एवं चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित इस्पात, कार्बन उत्सर्जन में कमी, कच्चे माल की सतत उपलब्धता, आधारभूत संरचना तथा इस्पात क्षेत्र में विकास की उभरती संभावनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई।
पुष्पा एम्ब्रोस को प्राप्त यह सम्मान इस्पात उद्योग में समावेशी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति उनके व्यावसायिक योगदान एवं प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उनकी यह उपलब्धि भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए गौरव का विषय है तथा इस्पात उद्योग में महिला पेशेवरों की बढ़ती भूमिका और नेतृत्व क्षमता को भी प्रतिबिंबित करती है।

स्व. सीताराम बाकलीवाल को सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। शहर के प्रतिष्ठित, सरल, सहज, मिलनसार एवं धार्मिक-सामाजिक विचारों से जुड़े स्वर्गीय सीताराम (जितेन्द्र) बाकलीवाल जी की श्रद्धांजलि सभा एवं शांति भोज का आयोजन गुरुवार, 19 नवंबर 2026 को ऋषभदेव परिसर, शिवपारा, चंडी मंदिर के पास, दुर्ग में किया गया।
श्रद्धांजलि सभा में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पूर्व जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर स्वर्गीय बाकलीवाल जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।
श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण था कि स्वर्गीय सीताराम (जितेन्द्र) बाकलीवाल जी ने अपने जीवन में केवल परिवार में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में भी गहरी प्रतिष्ठा एवं सम्मान अर्जित किया था। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनका सरल स्वभाव, आत्मीय व्यवहार, सभी के प्रति सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता और समाज के प्रति समर्पण था।
छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सीताराम (जितेन्द्र) बाकलीवाल जी का अचानक इस दुनिया से विदा हो जाना अत्यंत दुखद और अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि परिवार के साथ हंसी-खुशी समय बिताने वाले, सभी से आत्मीयता से बातचीत करने वाले सीताराम जी इतनी अचानक हम सबको छोड़कर चले जाएंगे।
श्री बघेल ने भावुक होते हुए कहा कि सीताराम जी ने अपने जीवन के अंतिम दिन भी परिवार के साथ बिताए। रात में उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर अच्छे से बातचीत की, परिवार के साथ समय बिताया और सुबह अचानक उनके देवलोक गमन का समाचार मिला। यह घटना पूरे परिवार, परिचितों और शुभचिंतकों के लिए गहरा आघात है।
उन्होंने कहा कि सीताराम जी का स्नेह, उनका सरल व्यवहार और उनकी स्मृतियां सदैव हम सबके बीच जीवित रहेंगी। उन्होंने शोकाकुल धीरज बाकलीवाल एवं पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ खड़ा है। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सीताराम जी का व्यक्तित्व अत्यंत सरल, सहज और आत्मीय था। वे परिवार और समाज को जोड़कर रखने वाले व्यक्ति थे।

मुख्यमंत्री की घोषणा को अमल में लाने मंत्री यादव के साथ जिला प्रशासन ने किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

नवीन कंपोजिट बिल्डिंग बनेगी सुशासन, पारदर्शिता और आधुनिक प्रशासनिक व्यवस्था का नया केंद्र - मंत्री गजेन्द्र



दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी द्वारा दुर्ग जिला मुख्यालय में नवीन कंपोजिट बिल्डिंग निर्माण की गई घोषणा को शीघ्र धरातल पर उतारने की दिशा में आज महत्वपूर्ण पहल हुई। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव के साथ कलेक्टर अभिजीत सिंह, एस पी विजय अग्रवाल, पीडब्ल्यूडी, अपर कलेक्टर, एसडीएम तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तावित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किये।
सुबह लगभग 11 बजे से एक घंटे तक चले निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव एवं अधिकारियों ने कलेक्टरेट परिसर का पैदल भ्रमण कर वर्तमान भवनों, पार्किंग व्यवस्था, भू-अभिलेख कार्यालय, निर्वाचन शाखा, एनआईसी, विभिन्न विभागीय कार्यालयों तथा उपलब्ध भूमि का बारीकी से अवलोकन किये। इस दौरान अधिकारियों ने नवीन कंपोजिट बिल्डिंग के निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।
निरीक्षण के दौरान प्रस्तावित भवन में सभी विभागों के कार्यालयों को एकीकृत रूप से स्थापित करने, आधुनिक सुविधाओं से युक्त मीटिंग हॉल, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, सुव्यवस्थित प्रवेश द्वार, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्था तथा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक अधोसंरचना विकसित करने कहा गया।
कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कलेक्टरेट परिसर में संचालित सभी विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संख्या तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भवन का ड्राइंग एवं डिजाइन तैयार किया जाए। उन्होंने शीघ्र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर शासन को प्रस्तुत करने तथा निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।
केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की मंशा के अनुरूप दुर्ग में बनने वाली यह नवीन कंपोजिट बिल्डिंग केवल एक प्रशासनिक भवन नहीं होगी, बल्कि आने वाले कई दशकों तक सुशासन, पारदर्शिता और जनसुविधा का सशक्त केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के एक ही परिसर में संचालित होने से आम नागरिकों को विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा प्रशासनिक कार्यों में भी अधिक समन्वय और गति आएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में दुर्ग निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। आईटी पार्क, इंडोर स्विमिंग पूल, अधोसंरचना विकास कार्यों के बाद अब आधुनिक कंपोजिट बिल्डिंग का निर्माण दुर्ग को एक सुव्यवस्थित एवं आधुनिक प्रशासनिक शहर के रूप में नई पहचान प्रदान करेगा। यह भवन विकसित हो रहे नए दुर्ग की पहचान और सुशासन का प्रतीक बनेगा।
निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रस्तावित निर्माण कार्य के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए तथा निश्चित समय अवधि में पूर्ण करने पर चर्चा किये।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



कृषि विश्वविद्यालय में मखाना कार्यशाला 26 एवं 27 नवंबर को

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 26 एवं 27 नवंबर को स्वामी विवेकानन्द सभागार, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय मखाना कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के लगभग 250-300 किसान एवं महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य सहित मध्यप्रदेश के 27, उत्तरप्रदेश के 22 तथा उड़ीसा के 09 किसान भाग लेंगे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम के प्रयासों से केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय मखाना बोर्ड में शामिल किए जाने के बाद प्रदेश में मखाना उत्पादन के विस्तार की संभावनाएं बढ़ी हैं। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग के सहयोग से वर्तमान में प्रदेश में 133.862 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती की जा रही है, जिसमें 96.438 हेक्टेयर तालाबों तथा 37.424 हेक्टेयर कम गहरे पानी वाले खेतों में है। प्रदेश में 15 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना बीज उत्पादन कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। धमतरी, रायपुर (आरंग), बालोद, महासमुंद, गरियाबंद और जांजगीर-चांपा प्रमुख मखाना उत्पादक जिले हैं। कार्यशाला में राष्ट्रीय मखाना संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, प्रसंस्करण के मुख्य वैज्ञानिक धमेन्दर कुमार, बिहार के मखाना विशेषज्ञ डॉ. विद्यानन्द झा, लुधियाना के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार विश्वकर्मा, कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. घनश्याम दास साहू तथा मखाना समन्वयक डॉ. गजेन्द्र चन्द्राकर विभिन्न विषयों पर व्याख्यान देंगे। कार्यशाला का उद्देश्य किसानों, उद्यमियों, वैज्ञानिकों एवं अन्य हितधारकों को एक मंच पर लाना है।

बस्तर ओलंपिक : गोद में बच्चों को लिए खेलने उतरी पूर्व नक्सल प्रभावित गांव की माताएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर अंचल के पूर्व नक्सल प्रभावित गांवों में खेलों को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसकी जीवंत तस्वीर छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड में आयोजित बस्तर ओलंपिक 2026-27 की क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिताओं में सामने आई। यहां ग्रामीण महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोद में लेकर खेल के मैदान में पहुंचीं और कबड्डी तथा रस्साकसी जैसी प्रतियोगिताओं में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। युवाओं के साथ-साथ महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन को एक सच्चे ग्रामीण खेल उत्सव का रूप दे रही है।

हमारा खेल, हमारा बस्तर, हमारी पहचान' के ध्येय वाक्य के साथ आयोजित बस्तर ओलंपिक में दूरस्थ और पूर्व नक्सल प्रभावित गांवों के खिलाड़ी भी बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। कभी पहुंच विहीन और नक्सल



प्रभावित रहे ग्राम पंचायत डब्बा से कबड्डी खेलने पहुंचीं श्रीमती दीपिका मुचाकी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से सामुदायिक गतिविधियों से जुड़ाव बढ़ता है और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त मंच मिलता है।

प्रतियोगिता में युवाओं के अलावा अन्य आयु वर्ग के खिलाड़ी भी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण अंचल की छिपी प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिल रहा है। बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत जूनियर और सीनियर वर्ग के लिए एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, तीरंदाजी और कराटे सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

सुकमा जिले में 20 से 23 नवंबर तक विकासखंड स्तरीय मुकाबले होंगे, जबकि 26 और 27 नवंबर को सुकमा के हड़मा स्टेडियम तथा पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं खेली जाएंगी।

इग्नाइट स्कूल योजना : भूमि और भवन के स्वामित्व का नहीं होगा हस्तांतरण, मुफ्त योजना भी जारी रखी जाएगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों एवं विकासखंड मुख्यालयों में बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। इन विद्यालयों की भूमि, भवन एवं अन्य संपत्तियों का शत-प्रतिशत स्वामित्व राज्य शासन के पास ही रहेगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के पांच संभागों में संचालित 207 इग्नाइट (IGNITE) विद्यालयों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से संचालित करने का प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है। इनमें 103 प्राथमिक एवं 104 पूर्व माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं।



इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सीबीएसई मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण एवं स्टाफ की समयबद्ध उपलब्धता और अनुभवी संस्थाओं की विशेषज्ञता का लाभ लेना आवश्यक है। इसका प्राथमिक लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बनाना है ।

प्रस्ताव के अनुसार इग्नाइट विद्यालयों का संचालन ओएमटी (ऑपरेशन, मेंटेनेंस एंड ट्रांसफर) मॉडल के अंतर्गत किया जाएगा। इसके तहत चयनित संस्था को 30 वर्षों के लिए विद्यालयों के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। संस्था के कार्य-प्रदर्शन के आधार पर अधिकतम 10 वर्षों की अवधि वृद्धि का प्रावधान रहेगा। विद्यालयों की भूमि, भवन एवं अन्य संपत्तियों का शत-प्रतिशत स्वामित्व राज्य शासन के पास ही रहेगा। विद्यालयों का नाम भी इग्नाइट यथावत रहेगा। निर्धारित अवधि समाप्त होने पर समस्त संपत्ति बिना किसी प्रतिकर के शासन को वापस प्राप्त होगी। इस प्रकार यह व्यवस्था विद्यालयों के निजीकरण अथवा विक्रय की नहीं, बल्कि बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की पहल है।

प्रस्ताव में विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। वर्तमान में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को विद्यालय की उच्चतम कक्षा तक नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निर्धारित 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आर्थिक रूप से कमजोर एवं अन्य वंचित वर्गों के बच्चों के लिए शासन का अतिरिक्त नि:शुल्क सीट कोटा भी निर्धारित रहेगा। संचालनकर्ता संस्था का चयन भी सर्वाधिक अतिरिक्त नि:शुल्क सीटें उपलब्ध कराने के आधार पर किया जाएगा। यदि कोई संस्था पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश देने से इनकार करती है अथवा उनसे अनुचित शुल्क वसूलती है, तो वसूली गई राशि का पांच गुना तथा प्रत्येक घटना पर एक लाख रुपये की अतिरिक्त शास्ति का प्रावधान प्रस्तावित है।

प्रस्ताव के अनुसार ओपन सीटों पर शुल्क निर्धारण छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम, 2020 के प्रावधानों के अधीन रहेगा। इससे संचालनकर्ता संस्थाएं मनमाने तरीके से शुल्क निर्धारित नहीं कर सकेंगी। संस्थाओं का चयन खुली एवं प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। वर्तमान में किसी भी संस्था का चयन नहीं किया गया है। निविदा एवं अनुबंध की शर्तें नियमानुसार सार्वजनिक की जाएंगी।

शासकीय कर्मचारियों की सेवा सुरक्षित

प्रस्ताव में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक एवं कर्मचारी शासकीय सेवक ही बने रहेंगे। उनकी पदस्थापना नियमानुसार की जाएगी। इस व्यवस्था से शासकीय शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सेवा स्थिति प्रभावित नहीं होगी। विद्यालयों के संचालन, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफके वेतन, न्यूनतम लीज शुल्क, भवन-फर्नीचर-उपकरण का रख-रखाव तथा आवश्यक उन्नयन का आवर्ती व्यय संचालनकर्ता संस्था वहन करेगी। इसके लिए शासन पर कोई नया पूंजीगत व्यय नहीं आएगा।

खराब प्रदर्शन पर अनुबंध समाप्त

इग्नाइट विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए पांच प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) के आधार पर 100 अंकों की मूल्यांकन प्रणाली प्रस्तावित है। इसमें शैक्षणिक उपलब्धि, गणित, विज्ञान, भाषा एवं विद्यार्थियों के ठहराव को प्रमुख आधार बनाया जाएगा। विद्यालयों का प्रतिवर्ष राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) अथवा स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से अकादमिक ऑडिट कराया जाएगा।

इसके साथ ही परफॉर्मेंस रिव्यू कमेटी द्वारा नियमित समीक्षा की जाएगी। मूल्यांकन में 70 प्रतिशत से कम प्रदर्शन पर शास्ति तथा लगातार दो वर्षों तक असंतोषजनक प्रदर्शन की स्थिति में अनुबंध समाप्त करने का प्रावधान रहेगा। संचालनकर्ता संस्था द्वारा शैक्षणिक सत्र के बीच संचालन छोड़ने की स्थिति में संपूर्ण बैंक गारंटी राजसात की जा सकेगी।

भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष, त्याग और बलिदान सदैव प्रेरित करता रहेगा : वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज जशपुर प्रवास के दौरान भगवान बिरसा मुंडा चौक पहुंचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, संघर्ष और जनजातीय समाज के उत्थान में उनके ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया।



वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान जननायक, समाज सुधारक और जनजातीय अस्मिता एवं स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उन्होंने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन की शोषणकारी नीतियों और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। जनजातीय समाज को संगठित कर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया और जल, जंगल तथा जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका संपूर्ण जीवन साहस, संघर्ष, सामाजिक चेतना और राष्ट्रप्रेम की अनुपम मिसाल है। श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय समाज में आत्मसम्मान, एकता और अधिकारों के प्रति चेतना जागृत करने के साथ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा समाज को संगठित और सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका संघर्ष केवल अंग्रेजी शासन के विरुद्ध नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक अस्मिता और जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए भी था। उनके विचार और आदर्श आज भी समाज को एकता, स्वाभिमान और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, संघर्ष और बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज के सम्मान, शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, पूर्व राज्यसभा सांसद रणविजय सिंह जूदेव, कृष्णा राय, भरत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अबूझमाड़ के दुर्गम गांवों तक पहुंची सुशासन एक्सप्रेस, घर के करीब मिलने लगी हर सेवा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल अबूझमाड़ में सुशासन की नई तस्वीर उभर रही है। कभी आवश्यक दस्तावेज बनवाने और शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए लंबी दूरी तय करने वाले ग्रामीणों को अब उनके गांव के नजदीक ही विभिन्न शासकीय सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में नारायणपुर जिला प्रशासन की सुशासन एक्सप्रेस पहल ग्रामीणों के लिए सुविधा और राहत का प्रभावी माध्यम बन रही है। इस पहल से भौगोलिक विषमताओं और आवागमन की कठिनाइयों के बीच रहने वाले ग्रामीणों को शासकीय सेवाओं का लाभ सुगमता से मिल रहा है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों में सुशासन एक्सप्रेस शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अबूझमाड़ के ग्राम गोमे



और कोंगे में आयोजित शिविरों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। दोनों शिविरों में प्राप्त 39 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया।

ग्राम कोंगे में आयोजित शिविर में आधार कार्ड से संबंधित 10, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 7, निर्वाचन संबंधी फॉर्म-6 के 3 तथा बैंक खाते से संबंधित एक आवेदन प्राप्त हुआ। कुल 21 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसी तरह ग्राम गोमे में आधार कार्ड के 12, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 3, निर्वाचन संबंधी फॉर्म-6 के 2 तथा बैंक खाते से संबंधित एक आवेदन सहित कुल 18 आवेदनों का निराकरण किया गया। सुशासन एक्सप्रेस शिविरों की विशेषता यह है कि ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविरों में आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड निर्माण एवं अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, श्रम कार्ड, पेंशन, राशन कार्ड, किसान कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और कृषि ई-केवाईसी जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, लर्निंग लाइसेंस, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट, दिव्यांगता सर्वेक्षण, निर्वाचन संबंधी आवेदन, नवीन ऋण धनादेश वितरण, कृषि यंत्रों से संबंधित सेवाएं, अतिक्रमण संबंधी आवेदन, स्वास्थ्य सुविधाएं और बैंक खाता खोलने जैसी सेवाओं का लाभ भी ग्रामीणों तक पहुंचाया जा रहा है।

अबूझमाड़ की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में सुशासन एक्सप्रेस शिविरों के माध्यम से प्रशासन स्वयं ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है।

स्काउटिंग से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवाभाव का होता है विकास

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य अध्यक्ष गजेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने, संगठनात्मक कार्यों को गति देने तथा स्काउटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया।



मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, नई दिल्ली डॉ. के. के. खंडेलवाल ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन विद्यार्थियों और युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवाभाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्काउटिंग गतिविधियां बच्चों एवं युवाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज सेवा की प्रेरणा देने वाला सशक्त आंदोलन है। प्रदेश के विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

सेमिनार में स्काउटिंग गतिविधियों के विस्तार, संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा युवाओं की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान स्काउटिंग से जुड़े पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप सक्रिय भूमिका निभाने और सेवा कार्यों में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। समारोह के दौरान स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुल 42 पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न अलंकरण एवं सम्मान प्रदान किए गए। इनमें एक अधिकारी को एलटी (लीडर ट्रेनर), पांच अधिकारियों को एएलटी 2025, दो अधिकारियों को एएलटी 2026 तथा तीन सदस्यों को एचडब्ल्यूबी सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 28 सदस्यों को दीर्घकालीन सेवा अलंकरण तथा तीन अधिकारियों को थैंक बैज प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह खालसा, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के निदेशक श्री अमर बी. छेत्री, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा तथा मध्यप्रदेश के राज्य आयुक्त स्काउट्स एवं गाइड्स श्री अशोक अरगल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में गणमान्य पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेशभर से आए स्काउटर-गाइडर, रोवर-रेंजर एवं स्काउटिंग संगठन से जुड़े सदस्यों ने सहभागिता की।





‘मेरा जन्म शादी करने के लिए हुआ’

क्या जल्दी ब्रेकअप करती हैं अनन्या? रिश्ते पर रखी राय.....



अनन्या पांडे हाल ही में ‘कॉफी विद करण 9’ में नजर आईं। यहां उन्होंने रिलेशनशिप और ब्रेकअप को लेकर बात की। उन्होंने इस पर भी खुलकर बात की. कि क्यों वह फिलहाल सिंगल रहने का आनंद ले रही हैं। उन्होंने करण जौहर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी कि वह बॉलीवुड की ब्रेकअप करने वाली लड़की हैं।

शादी को लेकर क्या बोलीं अनन्या?

18 नवंबर के एपिसोड में अनन्या नजर आईं। अनन्या पांडे ने माना कि वह कुछ रिश्तों में रही हैं। हालांकि उन्होंने साफ किया कि अगर कोई रिश्ता नहीं चल पाता है, तो आगे बढ़ जाने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें शादी का विचार पसंद है, मगर साथ ही वह अपनी आजादी को फिर से खोजते हुए खुद को प्राथमिकता देना पसंद करती हैं।

क्या जल्दी ब्रेकअप करती हैं अनन्या?

बातचीत के दौरान करण ने कहा कि अनन्या ऐसी इंसान हैं जो शुक्रवार को ब्रेकअप कर सकती हैं और सोमवार तक पूरी तरह ठीक हो सकती हैं। इस टिप्पणी पर अनन्या ने बताया कि वह रिश्तों के खत्म होने को कैसे संभालती हैं। अनन्या ने कहा, ‘दिलचस्प बात कही आपने। मैं यह नहीं कहूंगी कि आप गलत हैं। यह सच है कि मैं कुछ रिश्तों में रही हूं, मगर ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ भी गलत है।’

उन्होंने आगे कहा ‘मुझे लगता है कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही है, अगर लोग खुश नहीं हैं या अगर आप 100 प्रतिशत श्योर नहीं हैं, तो आपको अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का पूरा अधिकार है।’

एक इंसान के साथ बिताना चाहती हैं जिंदगी

करण ने यह भी जिक्र किया कि अनन्या की आदत है कि वह हर रिश्ते में मंडप तक या उनके शब्दों में कहें तो शादी के रास्ते तक पहुंच जाती हैं। इस पर अनन्या ने बताया कि अपने पिछले अनुभवों के बावजूद, वह अभी भी शादी में पूरा यकीन रखती हैं। उन्होंने कहा, ‘क्योंकि मुझे लगता है कि मेरा जन्म शादी करने के लिए ही हुआ है। मुझे शादी का विचार बहुत पसंद है। मैं अपनी पूरी जिंदगी किसी एक इंसान के साथ बिताने को लेकर उत्साहित हूं।’

सिंगल रहने का मजा ले रहीं अनन्या

जब उनसे उनकी लव लाइफ के बारे में पूछा गया, तो अनन्या ने बताया, ‘मैं कोई प्लानिंग नहीं कर रही, न ही ज्यादा सोच रही हूं। सच कहूं तो, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कहूंगी, लेकिन मैं सिंगल रहने का वाकई मजा ले रही हूं। देर आए दुरुस्त आए, पर मैं सच में इसका आनंद ले रही हूं।’

खुद से प्यार करना चाहती हैं अनन्या

पिछले कुछ महीनों ने अनन्या को खुद से फिर से जुड़ने का मौका दिया है। उन्होंने कहा, ‘पहले मैंने रिश्तों और दूसरे लोगों को बहुत ज्यादा प्राथमिकता दी थी। पिछले कुछ महीनों में मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे बहुत लंबे समय बाद मैं फिर से ‘खुद’ से मिल रही हूं। किसी और के जिंदगी में आने से पहले, मैं बस खुद से फिर से प्यार करना चाहती हूं।’

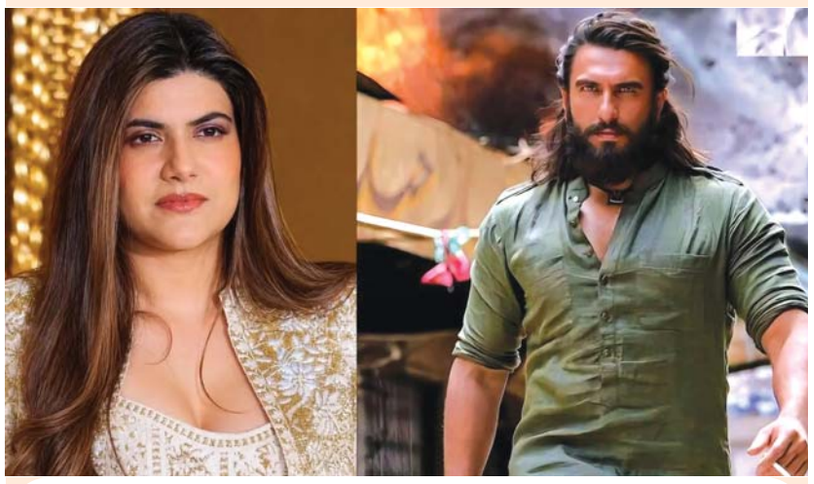
किसके साथ जुड़ा अनन्या का नाम?

अनन्या का नाम कई को-स्टार्स के साथ जोड़ा जा चुका है, जिनमें आदित्य रॉय कपूर, ईशान खट्टर और कार्तिक आर्यन शामिल हैं।

हाल ही में ऐसी भी चर्चा थी कि वह वॉकर ब्लैंको को डेट कर रही हैं।

लेकिन अनन्या ने कभी भी इन अटकलों की न तो पुष्टि की है और न ही इन्हें नकारा है।

‘धुरंधर’ के बाद रणवीर का दिखेगा नया अवतार, प्रोड्यूसर अनन्या बिरला ने बताया कैसी होगी ‘प्रलय’



बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पहले से ही अपनी फिल्म ‘धुरंधर’ फ्रेंचाइजी की सफलता को लेकर चर्चा में हैं। इसके बाद अब एक्टर जल्द ही एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाले हैं। दरअसल, रणवीर पहली बार जॉम्बी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म ‘प्रलय’ को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है।

अब फिल्म की प्रोड्यूसर अनन्या बिड़ला ने इसे लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ सकती है। अनन्या ने फिल्म को एक बड़ा सिनेमैटिक अनुभव बताया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।

‘प्रलय’ को लेकर क्या बोलीं अनन्या बिड़ला?

अनन्या बिड़ला हाल ही में करण जौहर के चैट शो ‘कॉफी विद करण 9’ में पहुंची थीं। इस दौरान उनसे रणवीर सिंह की फिल्म ‘प्रलय’ को लेकर सवाल किया गया। इस पर अनन्या ने कहा, ‘यह एक स्पेक्टेकल होने वाली है और मुझे उम्मीद और प्रार्थना है कि लोगों को यह पसंद आएगी। इसके अलावा सब कुछ भगवान और दर्शकों के हाथ में है।’

हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़ी दूसरी जानकारियों को अभी मेकर्स ने गुप्त रखा है। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है।

कुमार सानू ने बताया क्यों हैं वे मेलोडी किंग बोले- गाना गाते वक्त खुद को समझता हूं हीरो



मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू अपनी रोमांटिक आवाज और मधुर गीतों के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में अपनी गायकी के पीछे की तकनीक शेयर की। बातचीत के दौरान गायक से कहा कि उन्होंने लगभग हर सुपरस्टार के लिए गाना गाया है और उनकी आवाज़ सब पर जंचती है, तो कुमार सानू ने कहा, इसका मतलब है कि मैं ही हीरो हूं। दरअसल, जब मैं कोई गाना गाता हूं, तो मैं खुद को हीरो समझता हूं।

मेरी गायकी में एक स्टाइल है, जिसे विजुअल सिंगिंग कहते हैं। ये बात शायद किसी ने नहीं कही होगी, लेकिन मैं पहली बार कह रहा हूं कि जब भी मैं कोई गाना गाता हूं, तो मैं सोचने लगता हूं कि मैं हीरोइन के साथ बगीचे में क्या कर रहा हूं? गाने के बोल लिखते वक्त भी मेरे दिमाग में विजुअल इमेज बन जाती है और यही कारण है कि आपको गाने में जान महसूस होती है। उन्होंने आगे बताया कि अक्सर लोग मुझसे कहते हैं कि आप मेलोडी किंग हैं, तो उसके पीछे यही राज है। उन्होंने कहा, तो कोई भी गाना गाने से पहले, मैं अपने आपको उस गाने का हीरो मान लेता हूं और उसी का तरह एक्सप्रेशन देता हूं। अब, बाद में कौन-सा हीरो उस पर लिप-सिंक करेगा या उसे और बेहतर बनाएगा, ये उसकी काबिलियत पर निर्भर करता है।

उन्होंने आगे कहा, हम पर्दे के पीछे हैं, गाना गाते हैं, इसलिए हम प्लेबैक सिंगर हैं और हीरो पर्दे के सामने होते हैं। वो जो भी करेंगे, दिखेगा। हमने कैसे गाया, वो बाद में आएगा। पहले लोग देखेंगे कि स्क्रीन पर गाना कैसा लग रहा है। अब, जो कुछ भी कह लो, मैं ऐसे ही गाता था। लोग इसे इंटेलिजेंट, क्लासिकल बेस सिंगिंग और कई तरह के नामों से बताते हैं, लेकिन मेरे दिमाग में जो होता है, वही मेरी सिंगिंग में आता है, जिसे विजुअल सिंगिंग कहते हैं।

कुमार सानू 90 के दशक के लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने 1991 से 1995 तक लगातार पांच बार फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक का पुरस्कार जीता और 2009 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया जा चुका है।

शाहिद कपूर की पत्नी ने फ्लॉन्ट किए स्ट्रेच मार्क्स, यूजर्स बोले- ममता की सुंदरता



बॉलीवुड सितारों के लुक को लेकर अक्सर चर्चा होती है। अब जिस सेलेब को लेकर चर्चा हो रही है, वह शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत हैं। 18 नवंबर को मीरा मुंबई में हुए ‘द अर्थशॉट प्राइज’ में नजर आईं। यहां वह शानदार ब्लू आउटफिट में नजर आईं।

यहां उनके आउटफिट या किसी दूसरी महंगी चीज के बजाए उनके पेट पर नजर जा रहे स्ट्रेच मार्क्स ने फैंस का ध्यान खींचा। मीरा ने इन मार्क्स को छिपाने की कोशिश नहीं की बल्कि पूरे कॉन्फिडेंस के साथ कैमरे के सामने पोज दिए। इस खास इवेंट में मीरा ब्लू कलर के लॉन्ग आउटफिट में नजर आईं। इस ड्रेस में उनकी कमर के पास कट बना हुआ था। कमर के बीच में लगा बकल अलग लुक दे रहा था। उनकी ड्रेस में एक लॉन्ग केप भी था। इस आउटफिट में मीरा काफी स्टाइलिश लगीं।

फैंस कर रहे मीरा की तारीफ

इवेंट से मीरा की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। फैंस उनकी कमर पर बने स्ट्रेच मार्क की चर्चा कर रहे हैं। फैंस मीरा की इस बात को लेकर तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने मार्क्स को छुपाने की कोशिश नहीं की।

वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा ‘जिस तरह से उन्होंने स्ट्रेच मार्क दिखाया वह मुझे अच्छा लगा।’ एक और यूजर ने लिखा ‘स्ट्रेच मार्क्स दिखाना अपने आप से प्यार करने का एक तरीका है।’ एक और यूजर ने लिखा ‘वह जिस तरह से मां की खूबसूरती दिखा रही हैं, मुझे वह बहुत अच्छा लगा।’

शाहिद कपूर ने मीरा राजपूत से जुलाई 2015 में शादी की थी। कपल ने पहले बच्चे के रूप में 2016 में मीशा कपूर का स्वागत किया। जैन 2018 में हुए। मीरा पहले कई बार प्रेगनेंसी और उसके बाद शरीर में आने वाले बदलावों पर बात कर चुकी हैं।

किरदारों से हटकर अब कॉमेडी करना चाहती हूं, दिव्या दत्ता



अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अब तक कई गंभीर और संवेदनशील किरदार निभाए हैं। हालांकि, वह सिर्फ ऐसे किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहतीं। उनकी इच्छा है कि उन्हें कॉमेडी फिल्मों में भी काम करने का मौका मिले, जहां वह दर्शकों को खूब हंसा सकें।

दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ को लेकर चर्चा में हैं। 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म अब ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। इसी सिलसिले में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।

थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, ‘देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।’

थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, ‘ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।’

‘चिरैया’ के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ और ‘गजब रात’ के साथ वेब सीरीज ‘चिरैया’ को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर ‘चिरैया’ देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, ‘यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। ‘चिरैया’ देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।’

कॉमेडी करना चाहती हैं दिव्या, लेकिन ऑफर नहीं आते

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ‘यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।’ हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, ‘मैंने ‘चिरैया’ में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। ‘शर्माजी की बेटी’ में भी किया है।

लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।’

कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिन्हें बार-बार देखने के बाद भी मन नहीं भरता। दिव्या की पसंद में ऋषिकेश मुखर्जी और गुलजार की फिल्में शामिल हैं। वह कहती हैं, ‘चुपके चुपके’ ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म है। मैं उसे जितनी बार भी देख सकती हूं, देख सकती हूं। गुलजार की ‘अंगूर’ भी ऐसी ही फिल्म है। मैं उसे भी बार-बार देख सकती हूं।’

मेरी जिंदगी का सफर मुश्किल बनाने के लिए शुक्रिया...

कपिल शर्मा के पोस्ट ने खींचा ध्यान



कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस ट्रिप की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें पत्नी गिन्नी चतरथ के साथ उनकी सेल्फी और बच्चों के साथ तस्वीरें भी शामिल हैं। इसमें कपिल ने मजाकिया अंदाज में पत्नी गिन्नी का शुक्रिया अदा किया और लिखा कि उन्होंने उनका सफर और भी मुश्किल बना दिया है। हालांकि, तुरंत ही उन्होंने अपनी बात सुधारते हुए इसे और भी खूबसूरत बनाने वाला सफर बताया। कपिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की। पहली तस्वीर में वह और गिन्नी बाहर खड़े होकर सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। कपिल ने काले रंग का स्वेटर और सनग्लासेस पहने हुए हैं, वहीं गिन्नी भी काले रंग की आउटफिट और सनग्लासेस में दिखाई दे रही हैं। एक दूसरी तस्वीर में कपिल और गिन्नी अपने दोनों बच्चों अनायरा और त्रिशान के साथ एक पुरानी इमारत के बाहर पोज देते नजर आ रहे हैं।

इन तस्वीरों के साथ कपिल ने लिखा, साथ अच्छा हो तो सफर और भी खूबसूरत हो जाता है। मेरी जिंदगी के सफर को और मुश्किल बनाने के लिए शुक्रिया... सॉरी, और भी खूबसूरत बनाने के लिए शुक्रिया, माय लव गिन्नी।

खास-खबर

पीएम स्वनिधि योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को मिलेंगे चार राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ को चार पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 'स्वनिधि सम्मान अवार्ड्स-2026' के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के साथ ही तीन नगरीय निकायों बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा का चयन राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए किया गया है। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल 20 नवम्बर को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित समारोह में ये पुरस्कार प्रदान करेंगे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के नेतृत्व में राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा संबंधित निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की टीम ये पुरस्कार ग्रहण करेगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय प्रशासन विभाग और तीनों नगरीय निकायों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को चार राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना गौरव और प्रसन्नता का विषय है। राज्य के साथ बिलासपुर, बड़े बचेली और दंतेवाड़ा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन नगरीय निकायों के बेहतर कार्यों और पथ विक्रेताओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जलदूत ऐप द्वारा भूजल स्तर सर्वे में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने जल संरक्षण और भूजल संसाधनों की डिजिटल निगरानी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के जलदूत मोबाइल ऐप के माध्यम से मानसून के बाद कुओं के जलस्तर सर्वे में छत्तीसगढ़ पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा है। भारत सरकार की 19 नवंबर की पोस्ट मानसून जलदूत रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ की 10,196 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 15,337 गांवों में स्थित 40,130 चिन्हित कुओं के जलस्तर का सर्वे किया गया है। ग्राम पंचायतों, गांवों और कुओं की कवरेज के तीनों मानकों में छत्तीसगढ़ देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश की कुल 11,667 ग्राम पंचायतों में से लगभग 87 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को इस अभियान के अंतर्गत कवर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार देशभर में कुल 40,508 ग्राम पंचायतों के 69,915 गांवों में 1 लाख 44 हजार 46 कुओं का डेटा दर्ज किया गया है। 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल संवर्धन को ग्रामीण विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, परंपरागत जलस्रोतों का पुनर्जीवन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और आजीविका के स्थायी साधनों का विकास करना है।

मुख्यमंत्री साय ने सुहेला में दी 459 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सुहेला में आयोजित विकास संकल्प तिहार में जिलेवासियों को 459 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत के 275 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 316 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत के 178 कार्यों का भूमिपूजन और 142 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत के 97 कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सुहेला में शासकीय महाविद्यालय का शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों की लगभग दो दशक पुरानी मांग पूरी की। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को सहायता सामग्री एवं चेक वितरित किए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों और युवाओं को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने जिस विश्वास के साथ हमारी सरकार को सेवा का अवसर दिया है, उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटियों को पूरा करते हुए प्रदेश में विकास और जनकल्याण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य केवल विकास कार्यों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। गांवों तक बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाएं पहुंचाकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सरकार गठन के 24 घंटे के भीतर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति, महतारी वंदन योजना, चरण पादुका योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी जनकल्याणकारी पहलों से समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 प्रारंभ किया गया है, जो चौबीसों घंटे संचालित होता है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें और समस्याएं दर्ज करा सकते हैं, जिनके निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से लगभग 700 शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं का विस्तार किया गया है। अब ग्रामीणों को अपने खातों से राशि निकालने और जमा करने जैसी सुविधाएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के अन्नदाता प्रदेश की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत हैं। राज्य सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषक उन्नति योजना में संशोधन कर कम उत्पादन की स्थिति में भी प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से अंतर की राशि किसानों को प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने किसानों को दो वर्षों के बकाया बोनस का भुगतान भी किया है।

मुख्यमंत्री साय ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की मांग पर सुहेला में मांगलिक भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए, नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन के लिए बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान, सुहेला तहसील के 20 विद्यालयों में प्रार्थना शेड निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए तथा बलौदाबाजार में शहीद वीर नारायण सिंह चौक के सौंदर्यीकरण के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सुहेला में शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों की लगभग 20 वर्ष पुरानी मांग पूरी हुई है। अब स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ अंडर-23 टीम को मिली हार हरियाणा ने 35 रनों से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित वुमेंस अंडर-23 टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम को अपने चौथे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। 19 नवंबर 2026 को त्रिवेंद्रम में खेले गए मुकाबले में हरियाणा अंडर-23 टीम ने छत्तीसगढ़ को 35 रनों से पराजित किया।

मुकाबले में छत्तीसगढ़ अंडर-23 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में मात्र 1 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाए। हरियाणा की ओर से त्रिवेणी वशिष्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 95 रन बनाए, जबकि तनिषा ओहलान ने नाबाद 57 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा परी तवर ने भी 21 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की कोई भी गेंदबाज विकेट हासिल करने में सफल नहीं हो सकी। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 60 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा कुमुद साहू ने 28 रन और मिताली शर्मा ने 17 रनों का योगदान दिया। हरियाणा की ओर से गेंदबाजी करते हुए रागिनी लठवाल और रितु देवी ने 2-2 विकेट हासिल किए।

इस प्रकार हरियाणा अंडर-23 टीम ने छत्तीसगढ़ को 35 रनों से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता का अर्धशतक टीम के लिए प्रमुख आकर्षण रहा, लेकिन टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं हो सका।

छत्तीसगढ़ की दमदार जीत, ओडिशा को 51 रनों से हराया

कप्तान विकल्प तिवारी का तूफानी शतक, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में रचा इतिहास

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने तीसरे मुकाबले में ओडिशा को 51 रनों से पराजित किया। यह मुकाबला 18 नवंबर 2026 को कोलकाता के जाधवपुर यूनिवर्सिटी मैदान में खेला गया।

मुकाबले में ओडिशा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज जल्दी ही पवेलियन लौट गए। हालांकि, मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

छत्तीसगढ़ के कप्तान विकल्प तिवारी ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए महज 44 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 56 गेंदों में 18 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 119 रनों की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 228 रन बनाए।

विकल्प तिवारी का यह शतक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की ओर से लगाया गया पहला शतक है। साथ ही, 119 रन इस टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की ओर से अब तक का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर भी है। इससे पहले अनुज तिवारी ने 98, हरप्रीत सिंह ने 92 और अमनदीप खरे ने 90 रनों की बड़ी पारियां खेली थीं। विकल्प के अलावा अजय मंडल ने 50 और देव आदित्य सिंह ने 29 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। ओडिशा की ओर से देवव्रत प्रधान ने 2 विकेट हासिल किए।

229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 177 रन ही बना सकी। ओडिशा की ओर से कार्तिक बिस्वाल ने 57 रन और शुभ्रांशु सेनापति ने 31 रनों की पारी खेली।

छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजी में जयंत यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि देव आदित्य सिंह और सौरभ मजूमदार ने 2-2 विकेट हासिल किए। इस तरह छत्तीसगढ़ ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा को 51 रनों से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। शानदार शतकीय पारी के लिए कप्तान विकल्प तिवारी को प्लेयर ऑफद मैच चुना गया।

छत्तीसगढ़ अंडर-16 टीम ने पहली पारी में बनाई 47 रनों की बढ़त

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित मेंस अंडर-16 विजय मर्चेंट मल्टी डे ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम ने दूसरे तीन दिवसीय मुकाबले के पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया। 19 से 21 नवंबर 2026 तक लखनऊ में खेले जा रहे इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ का सामना उत्तराखंड अंडर-16 टीम से हो रहा है।





मुकाबले में छत्तीसगढ़ अंडर-16 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड की टीम छत्तीसगढ़ के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और अपनी पहली पारी में 33.4 ओवरों में मात्र 87 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। उत्तराखंड की ओर से साकेत चौहान ने 25 रन, गगन ने 21 रन और धैर्य बदोला ने 17 रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए। आदित्य बैदवाल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि चंद्र प्रकाश साहू ने 4 विकेट हासिल कर उत्तराखंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

इसके जवाब में पहली पारी खेलने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 58 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 134 रन बना लिए। छत्तीसगढ़ की ओर से आदित्य बैदवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 54 रन बनाए। वहीं अंशुमन ठाकुर ने 35 रन और अनमोल राज सिंह ने 29 रनों की उपयोगी पारी खेली। उत्तराखंड की ओर से धैर्य बदोला ने 3 विकेट तथा अयान अली ने 2 विकेट हासिल किए। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ ने पहली पारी के आधार पर 47 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली है। आदित्य बैदवाल का गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन छत्तीसगढ़ के लिए पहले दिन की सबसे बड़ी उपलब्धि रहा।

1857 के वीर जननायक मोहन बैगा के नाम पर हुआ चौक का नामकरण

रायपुर। जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, वीरता और सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सरगुजा जिले के उदयपुर स्थित बैगापारा में श्रद्धेय जननायक मोहन बैगा जी के नाम पर चौक का नामकरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने जननायक मोहन बैगा जी के ऐतिहासिक योगदान, संघर्ष और जनजातीय समाज के प्रति उनके समर्पण को नमन किया। श्रद्धेय मोहन बैगा जी का क्षेत्र के इतिहास में विशिष्ट स्थान है। वे वर्ष 1857 में ब्रिटिश सरकार की हड़प नीति के प्रबल विरोधी रहे। उदयपुर डीह के संस्थापक होने के साथ ही वे उदयपुर और रामगढ़ के प्रथम बैगा भूमका पुजारी के रूप में भी प्रतिष्ठित रहे। उनका जीवन जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अस्मिता, परंपराओं और अधिकारों के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास वीरता, संघर्ष, त्याग और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से भरा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ियां हस्तशिल्प और वनोपज उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

छत्तीसगढ़ पवेलियन में दिख रही प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प और स्थानीय उत्पादों की विविधता

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की विविधता के कारण आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध कोसा सिल्क साड़ियां, हाथ से बुने वस्त्र, बेलमेटल की कलाकृतियां, जनजातीय आभूषण और वनोपज से तैयार उत्पादों की आकर्षक श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। पवेलियन में पहुंच रहे आगंतुक इन उत्पादों को उत्सुकता से देख रहे हैं और खरीदारी में भी रुचि दिखा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बुनकरी कला को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। चांपा और रायगढ की प्रसिद्ध कोसा साड़ियां, आकर्षक डिजाइन वाले हथकरघा वस्त्र, दुपट्टे और अन्य परिधान आगंतुकों को पसंद आ रहे हैं। बिलासा हैंडलूम, शिल्प कुंज, शारदा कोसा और नवयुवक बुनकर सहकारी समिति सहित विभिन्न स्टॉलों पर प्रदेश के कुशल बुनकरों की कारीगरी देखने को मिल रही है। पारंपरिक बुनाई और आधुनिक डिजाइन का सुंदर मेल इन वस्त्रों को खास पहचान दे रहा है।

पवेलियन में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध बेलमेटल शिल्पकला भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। धातु से निर्मित हिरण, हाथी, पक्षियों और अन्य पशु-पक्षियों की आकृतियां, पारंपरिक सजावटी वस्तुएं तथा जनजातीय आभूषण प्रदेश की समृद्ध शिल्प परंपरा को दर्शा रहे हैं। इन कलाकृतियों की बारीक कारीगरी और विशिष्ट डिजाइन आगंतुकों को प्रभावित कर रहे हैं। इसके साथ ही माटीकला, खादी और अन्य पारंपरिक हस्तनिर्मित उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं।

वनोपज उत्पादों में दिख रही छत्तीसगढ़ के जंगलों की समृद्धि

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के स्टॉल पर वनोपज आधारित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के अंतर्गत तैयार खाद्य पदार्थ, हर्बल उत्पाद और अन्य प्रसंस्कृत सामग्री आगंतुकों का ध्यान खींच रही है। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के स्टॉलों में भी स्थानीय कृषि उत्पादों, मिलेट्स तथा खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी सामग्री को प्रदर्शित किया गया है। इन उत्पादों के माध्यम से प्रदेश की वन संपदा, स्थानीय संसाधनों और ग्रामीण आजीविका की संभावनाओं को सामने लाया जा रहा है।

वीआर जोन में चित्रकोट जलप्रपात का रोमांचक 3 डी अनुभव

छत्तीसगढ़ पवेलियन में आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य से परिचित कराने के लिए विशेष वीआर जोन बनाया गया है। यहां आगंतुक छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का 3ष्ठ अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। वर्चुअल रियलिटी तकनीक के जरिए जलप्रपात की विशाल जलधारा और आसपास के प्राकृतिक दृश्यों को जीवंत रूप में महसूस करने का अवसर मिल रहा है। यह अनुभव आगंतुकों को छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक खूबसूरती के करीब लाने के साथ ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रति उनकी रुचि भी बढ़ा रहा है। पवेलियन में वन एवं इको-टूरिज्म से संबंधित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है। इसमें कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, तीरथगढ़ जलप्रपात और प्रदेश के अन्य प्रमुख प्राकृतिक एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जा रही है।

तकनीक से आसान हुई खेती-किसानी, ऑनलाइन टोकन से किसानों को मिली राहत

रायपुर। खेती-किसानी में किसानों का समय और मेहनत दोनों महत्वपूर्ण हैं। धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्र के चक्कर लगाना अब किसानों की मजबूरी नहीं रही। मोबाइल से घर बैठे ऑनलाइन टोकन काटने की सुविधा ने किसानों के लिए धान विक्रय की प्रक्रिया को आसान बना दिया है। अब किसान अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर धान बेच रहे हैं। खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में जिले के धान उपार्जन केंद्रों में देखने को मिल रही यह सुविधा किसानों के लिए राहत का माध्यम बन रही है। उन्होंने डेढ़ एकड़ में धान की खेती की है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

15 हजार उधार पर विवाद, पत्थर से सिर पर वार कर युवक की ली जान

जांजगीर। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खोखरा में महज 15 हजार रुपए के लेन-देन को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आरोपियों ने युवक के सिर पर पत्थर से वार कर हत्या कर दी। 17 नवंबर की रात करीब 10 बजे खोखरा निवासी इतवारी सूर्यवंशी, देवनारायण सूर्यवंशी और एक अन्य युवक बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान 15 हजार की उधारी को लेकर उनके बीच गाली-गलौज और विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान दोनों ने कंक्रीट पत्थर से देवनारायण सूर्यवंशी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। आला अधिकारियों को भी सूचना दी गई। मौके पर फॉरेंसिक यूनिट और पुलिस डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया। इतवारी सूर्यवंशी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसने उधारी के विवाद को लेकर मारपीट करना स्वीकार किया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दूसरे फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। शहर में शराब पीने के लिए रुपये नहीं देने पर गुपचुप व्यवसायी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। प्रगति विहार के पास ठेला लगाने वाले व्यवसायी को आरोपियों ने निशाना बनाया। बमस्ताना मंदिर के पास रास्ता रोककर आरोपियों ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। रुपये देने से मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और पत्थर व छोटे गैस सिलेंडर से हमला कर दिया। मामले में सरकंडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दुर्गेश साहू और सौरभ खरे को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, तीसरे आरोपी बड़कू देवांगन की तलाश की जा रही है।

बाराद्वार एल्डरमैन और प्रिंसिपल सहित 6 लोग जुआ खेलते पकड़ाए

कोरबा। कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़गांव में पुलिस ने जुआ खेलते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी जांजगीर-चांपा जिले के बाराद्वार क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। आरोपी पिकनिक मनाने की आड़ में कोरबा जिले में जुआ खेल रहे थे। मौके से करीब 11 हजार रुपए नकद, मोबाइल और ताश के पत्ते जब्त किए गए हैं। दस्तावेज के अनुसार, ग्राम पहाड़गांव में दोपहर 2:20 बजे यह कार्रवाई की गई। अपराध क्रमांक 641/2026 पंजीबद्ध किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में अभिषेक उर्फ गज्जू ठाकुर, पिता महावीर, शशिकांत दुबे , ज्योतिष वैष्णव (51), रविंद्र खाण्डे (26), दीपक कुमार बंसल (26), और आशुतोष राय (33), पिता राम इकबाल शामिल हैं।

लव मैरिज से बिफरा बाप, बेटी दामाद पर ताबड़तोड़ हमला, बीच बचाव में सास-ससुर-ननद भी घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में बेटी के लव मैरिज करने से नाराज पिता अपने बेटे के साथ चेहरे पर गमछा बांधकर उसके घर में घुस गया। दोनों ने बेटी-दामाद पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। बीच-बचाव करने पहुंचे दामाद के माता-पिता और बहन पर भी हमला कर दिया। इस घटना में बेटी-दामाद समेत परिवार के 5 लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फरार पिता-पुत्र की तलाश कर रही है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, मंगला के धुरीपारा में रहने वाले शाहिद अली पेशे से ड्राइवर हैं। उनका बेटा समीर अली एक निजी दूध कंपनी में काम करता है। समीर ने करीब एक साल पहले मोहल्ले में रहने वाली बलराम कश्यप की बेटी से प्रेम विवाह किया था। इस शादी से युवती के परिजन नाराज थे। उन्हें यह रिश्ता मंजूर नहीं था। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार रात समीर अपनी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घर पर था। इसी दौरान उसका ससुर बलराम कश्यप अपने बेटे के साथ वहां पहुंचा। पहचान छिपाने के लिए बलराम ने चेहरे पर गमछा बांध रखा था। घर में घुसते ही दोनों ने समीर और अपनी बेटी पर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला।

बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों पर भी किया हमला

हमले के दौरान बेटी के चीखने की आवाज सुनकर समीर की मां शाइस्ता, पिता शाहिद और बहन बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपियों ने उन पर भी चाकू से वार कर दिए। हमले में बेटी-दामाद समेत पांच लोग घायल हो गए। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

एएसपी पहुंचे अस्पताल, आरोपियों की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल पहुंचाया। एएसपी पंकज पटेल समेत अन्य पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना।

पुलिस ने फरार पिता-पुत्र को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। बिलासपुर के बुधवारी बाजार में पपीते को लेकर दो सब्जी व्यापारियों के बीच विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ा कि एक व्यापारी ने दूसरे पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में व्यापारी की छाती और बाएं हाथ में चोट आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



पीला पपीता बताकर कैरेट लेने से किया इनकार

इधर, सिरगिट्टी के नयापारा निवासी विश्वकर्मा बुधवारी बाजार में सब्जी बेचता है। उसने पुलिस को बताया कि बाजार के ही व्यापारी कुनाल साहू ने शनिचरी बाजार से ऑटो के जरिए दो कैरेट पपीते मंगवाए थे। गुरुवार सुबह वह दो कैरेट पपीते लेकर कुनाल की दुकान पहुंचा। इस दौरान कुनाल ने पपीते पीले होने की बात कहकर उन्हें अपना मानने से इनकार कर दिया।

गाली देने से मना किया तो चाकू से किया हमला

इसी बात पर कुनाल गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी दी और दुकान में रखे धारदार चाकू से हमला कर दिया। इससे व्यापारी की छाती और बाएं हाथ में चोट आई। मौके पर मौजूद शुभम देवांगन और आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बिलासपुर में युवती ने मेडिकल व्यापारी से वसूले 2 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में युवती ने पहले मेडिकल कारोबारी से दोस्ती की, फिर चैटिंग के बहाने साथ में तस्वीरें खिंचाई और वीडियो भी बनवाए। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर समाज में बदनाम करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उससे 2 लाख वसूल लिए। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार खपरगंज स्थित कल्लू बाड़ा निवासी 28 वर्षीय सूर्या सोनी मेडिकल व्यावसायी है। उन्होंने 18 नवंबर को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें बताया कि लोफंदी निवासी प्राची कश्यप (20) 2025 में उसकी दुकान में काम करने आई थी। इसी दौरान दोनों की जान-पहचान हुई और फोन पर बातचीत होने लगी।



शिकायत के अनुसार, युवती से परिचय बढ़ने के उसने दोस्ती की। फिर बाद दोनों ने साथ में कुछ फोटो खिंचाए। आरोप है कि युवती इन्हीं फोटो को दूसरे लोगों तक पहुंचाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उससे रकम मांगने लगी।

इस दौरान सामाजिक बदनामी के डर से युवक ने युवती को ऑनलाइन और कैश मिलाकर दो लाख रुपए दे दिए। इसके बाद भी युवती बार-बार फोन कर वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए और पैसे मांगने लगी।

पैसे नहीं देने पर आत्महत्या करने की धमकी देने का भी आरोप है। उसकी हरकतों से परेशान होकर व्यावसायी युवक ने थाने में शिकायत की, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

स्नैपचैट पर दोस्ती कर मिलने बुला कर युवक को लूटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा में सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवक को मिलने के बहाने बुलाने और फिर चाकू की नोक पर लूटपाट करने वाले गिरोह का जांजगीर कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है।

मामले में एक युवती समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट कर उससे 60 हजार रुपए नकद और सोने की अंगूठी लूट ली थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम में से 30 हजार रुपए, घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल जब्त की हैं। मनीष वर्मा की स्नैपचैट के माध्यम से एक युवती से पहचान हुई थी।

दोनों के बीच बातचीत होने लगी। इस दौरान युवती लगातार मनीष को मिलने के लिए चांपा बुला रही थी। 4 नवंबर 2026 को मनीष अपने एक मित्र के साथ कार से चांपा पहुंचा। युवती के कहने पर उसने अपने मित्र को मड़वा प्लांट के मुख्य द्वार पर छोड़ दिया और उसके साथ आगे चला गया।

इसी दौरान रात 12:20 बजे मड़वा प्लांट के पास छह युवक कार के पास पहुंचे। आरोपियों ने चाकू दिखाकर मनीष को कार से बाहर निकाला और हाथ-मुक्कों तथा बेल्ट से मारपीट की।

पीड़ित की रिपोर्ट पर कोतवाली जांजगीर में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घटना में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में अमित राठौर (21), रवि झलरिया (24), किशन कर्ष (21), कुनाल पाण्डेय (20), मुकेश कश्यप उर्फ छोटू (19) और रायगढ़ जिले की एक युवती शामिल है।

पूर्व स्कूल संचालक का शव पेड़ पर लटका मिला, जेब में 19 पन्नों का सुसाइड नोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के जेंजरा बाईपास के पास पेड़ पर पूर्व स्कूल संचालक का शव फंदे से लटका मिला उसकी जेब से मिले 19 पन्नों के सुसाइड नोट में नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से 50 लाख रुपए लेने, बिचौलिए की मौत के बाद रकम फंसने और कर्ज बढ़ने का जिक्र है।

मृतक की पहचान ग्राम ढेलवाडीह निवासी शिवचरण साहू (36) के रूप में हुई है। शिवचरण ने अपने सुसाइड नोट में लेनदारों पर दबाव बनाने और परेशान करने की बात भी लिखी है।

जानकारी के मुताबिक, कोरोना काल में स्कूल खोलने के बाद नुकसान होने से शिवचरण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस सुसाइड नोट में लिखी बातों और पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है। घटना घटना कटघोरा थाना क्षेत्र की है।



बताया जा रहा है कि शिवचरण ने कोरोना काल में एक स्कूल खोला था। हालांकि, स्कूल नहीं चल पाया और उसे बंद करना पड़ा। इसके बाद से ही वह आर्थिक परेशानी से जूझ रहा था। इसी दौरान उसने कुछ लोगों से नौकरी लगवाने के नाम पर रुपए लिए थे। इस काम में एक बिचौलिया भी शामिल था।

पुलिस को शिवचरण की जेब से 19 पन्नों के सुसाइड नोट की फोटोकॉपी मिली है। इसमें नौकरी लगवाने के नाम पर करीब 50 लाख रुपए लेने का जिक्र है। नोट के मुताबिक, कोरोना काल में बिचौलिए की मौत हो गई। इसके बाद लोगों से ली गई रकम फंस गई। इस वजह से शिवचरण पर कर्ज बढ़ता गया।

सुसाइड नोट में लेनदारों पर लगातार दबाव बनाने और परेशान करने की बात लिखी है। इसमें मानसिक तनाव और आर्थिक परेशानी का भी जिक्र है। चर्चा है कि सुसाइड नोट की मूल कॉपी कोरबा एसपी को भेजी गई है। इसमें कई लोगों के नाम और पैसों के लेन-देन का हिसाब भी लिखा है।

कटघोरा थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि जेंजरा बाईपास के पास युवक का शव मिला है। उसके पास से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें कर्ज और आर्थिक परेशानी की बात सामने आई है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट में लिखी बातों की भी जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और सुसाइड नोट की जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

धान के अवैध भंडारण पर एक्शन 2 गोदामों से 965 कट्टा धान जब्त

रायगढ़। रायगढ़ जिले में अवैध धान के भंडारण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई जारी है। लैलूंगा के झगरपुर में दो गोदामों से 965 कट्टा धान जब्त किया गया। वहीं, पुसौर के नेतनागर में पंजीयन से अधिक 579 कट्टा धान मिला। खरसिया के नवापारा में भी 105 बोरी धान जब्त किया गया है। एसडीएम लैलूंगा राकेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में खाद्य निरीक्षक और नायब तहसीलदार की संयुक्त टीम ने झगरपुर स्थित 2 गोदामों की जांच की। इस दौरान संतोष अग्रवाल के गोदाम में 900 कट्टा और विकास अग्रवाल के गोदाम में 65 कट्टा धान मिला। टीम ने कुल 965 कट्टा धान जब्त कर आगे की कार्रवाई की।

धान के अवैध भंडारण पर कार्रवाई, दो दिनों में 5 स्थानों से 1425 पैकेट धान जब्त

खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई



श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान के भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार विगत दो दिनों में जिले के विभिन्न तहसीलों में राजस्व एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीमों ने कार्रवाई करते हुए पांच स्थानों से कुल 1,425 पैकेट अवैध धान जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार, तहसील कोमाखान के ग्राम दरबेकेरा निवासी प्रेमनाथ यादव की दुकान में लगभग 100 कट्टा अवैध धान का संग्रहण पाए जाने पर जब्ती की कार्रवाई कर धान मंडी विभाग के सुपुर्द किया गया। इसी तरह तहसील पिथौरा के ग्राम तरेकेला में शंकर लाल नायक के निजी गोदाम में 650 पैकेट अवैध धान का भंडारण पाए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई। ग्राम सुखीपाली में व्यापारी शंभूलाल बारिक के निजी गोदाम से 75 पैकेट अवैध धान जब्त किया गया।

वहीं ग्राम लोहारीनडोंगरी में कृषक श्रीराम पटेल के घर से ग्रीष्मकालीन धान के 300 पैकेट जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त 19 नवम्बर को तहसील बसना के ग्राम गड़फुलझर में राजस्व एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 300 पैकेट अवैध धान जब्त किया।

जिला प्रशासन ने कहा है कि धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता, अवैध भंडारण एवं परिवहन पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध मंडी अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित खरीदी केंद्रों में ही अपना धान विक्रय करें तथा अवैध गतिविधियों से दूर रहें।

जंगल में मिली युवक की अधजली लाश, हत्या के बाद पेट्रोल डालकर जलाने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोटा क्षेत्र स्थित शिवतराई जंगल में प्राइवेट रिसॉर्ट के पास युवक की अधजली लाश मिली है। घटनास्थल पर उसकी बाइक भी जली हुई हालत में पड़ी थी। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या के बाद पहचान और सबूत मिटाने के लिए उसे बाइक समेत जलाया गया होगा।

दरअसल, सुनसान जगह पर जली हुई बाइक देखकर स्थानीय लोगों ने पास जाकर देखा तो कुछ दूरी पर युवक का शव पड़ा मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची लेकिन, शाम ढलने और अंधेरा होने के कारण रात में बारीकी से जांच और सबूत जुटाने की कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी।



दरअसल, सूचना मिलने पर गुरुवार देर शाम पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती फोटोग्राफी के अलावा घटनास्थल पर कोई जांच नहीं हो सकी। अंधेरा होने के कारण फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी जांच नहीं कर पाई।

अब पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच करेगी। आरोपियों तक पहुंचने के लिए स्निफर डॉग की मदद भी ली जाएगी।

मृतक की पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती

फिलहाल पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती मृतक की पहचान करना है। आशंका है कि हत्या के बाद मृतक की पहचान छिपाने और सबूत मिटाने के लिए पेट्रोल डालकर शव और बाइक दोनों को जलाया गया है। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

रातभर सक्रिय रही एसीसीयू की टीम

घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह ने एसीसीयू की टीम को सक्रिय किया। उनके निर्देश पर टीम देर रात तक कोटा के शिवतराई और आसपास के इलाकों में जांच करती रही।

टीम ने स्थानीय लोगों से अलग-अलग तरीके से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। हालांकि, पुलिस को अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

कार्यालय कलेक्टर दुर्ग (छ0ग0) एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग,

--:: सार्वजनिक सूचना ::--

क्रमांक / 2328 / भू-अर्जन/आ0क्र0नि0-16 दिनांक 26/10/2026

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग (छ0ग0) को महाराजा चौक से बोरसी चौक तक फोरलेन मार्ग निर्माण (लंबाई 1.80 कि0मी0) हेतु ग्राम-बोरसी प0ह0नं0 39 राजस्व निरीक्षण मंडल कसारीडीह तहसील व जिला दुर्ग (छ0ग0) स्थित भूमि की सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अत: राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की आपसी सहमति से क्रय नीति-2016 के प्रावधानो के तहत अनुसूची में वर्णित भूमि को कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग (छत्तीसगढ़) के पक्ष में क्रय करने पर विचार किया जा रहा है।

(क्रय की जाने वाली भूमि व कृषको के विवरण)

स0 क्रमांक	भूमि स्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय की जाने वाली भूमि (वर्गमीटर में) एवं परिसंपत्तिं का विवरण		
		खसरा नम्बर	प्रभावित रकबा वर्गमीटर में	स्थावर परिसम्पत्ति
1	2	3	4	5
01	मेसर्स साई इन्टरप्राइजेस	52/3	63.12	बाउंड्रीवाल
02	देवादास पिता गलीराम	52/2	13.00	-
03	प्रेमादास साहू पिता गलीराम साहू	52/82	13.00	-
04	ताम्रध्वज साहू पिता गलीराम साहू	52/83	13.00	-
05	रामप्यारी साहू पिता गलीराम साहू	52/84	13.00	-
06	पंचूराम पिता रामकिसुन साहू	180/6	38.25	दुकान (टीन शेड)
07	विनय कुमार चन्द्राकर पिता हुबलाल चन्द्राकर	180/8	30.00	-
08	रोहित कुमार साहू पिता बीरसिंग साहू	180/5	34.75	दुकान (पक्का छत)
09	1. प्रेमलता चन्द्राकर पति चेतन चन्द्राकर 2. अभिनव चन्द्राकर पिता चेतन चन्द्राकर 3. विभा चन्द्राकर पिता चेतन चन्द्राकर 4. प्रीति बाला मालवीया पिता चेतन चन्द्राकर	52/30	61.00	पक्का बाउंड्रीवाल
10	विजया लक्ष्मी राजपूत पिता बनवारी सिंग राजपूत	52/72	24.00	-
11	अनिल कुमार साहू पिता कन्हैया लाल साहू	52/63	24.00	-
योग	कुल योग 11 कृषक	11	327.12	

02- यह भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि के 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति दस्तावेज सहित लिखित में कलेक्टर दुर्ग के समक्ष स्वयं अथवा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं।

(अभिजीत सिंह)
कलेक्टर जिला दुर्ग (छ0ग0)
एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी- 262704611/2







खास खबर



राज्यपाल से महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से लोक भवन में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सौजन्य भेंट की । उन्होंने राज्यपाल को आगामी 23 नवंबर 2026 को मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।



राज्यपाल से आईआईएमयूएन की चार्ज डी अफेयर्स ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से भारत के युवाओं में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए कार्यरत संस्था इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआई-एमयूएन) की चार्ज डी अफेयर्स सुश्री अंबर फातिमा ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को आगामी माह बिलासपुर में प्रस्तावित यूथ कनेक्ट कार्यक्रम में बतौर मुख्य तिथि आमंत्रित किया।

चिन्हारी योजना से वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान

सुकमा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और दस्तावेजों के अभाव में शासकीय सेवाओं से वंचित लोगों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन की 'चिन्हारी योजना' ग्राम पंचायत झीरम निवासी सुखराम के परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आई है। सुखराम के दादा एवं पूर्वज कई पीढ़ियों से ग्राम झीरम में निवासरत हैं, लेकिन पुराने दस्तावेज एवं मिसल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं थे।

20 हजार युवाओं के लिए सृजित हो रहे रोजगार के अवसर, 1.07 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय, मुख्यमंत्री ने 24 उद्योग समूहों को सौंपे इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर

- डेढ़-दो वर्षों में साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव
- 60 औद्योगिक परियोजनाओं में काम शुरू
- नई औद्योगिक नीति से देश-विदेश के निवेशकों का बढ़ा भरोसा
- बनेगा सेमीकंडक्टर, एआई, डेटा सेंटर, पर्यटन और कृषि आधारित उद्योगों का केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति और निवेश अनुकूल वातावरण के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग चैप्टर-3 में प्रदेश को 24 उद्योग समूहों के माध्यम से 1 लाख 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश के लगभग 20 हजार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में निवेशक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे और प्रदेश में निवेश के प्रति उनके विश्वास का स्वागत किया। उन्होंने उद्योगपतियों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव सुने तथा उद्योग स्थापना से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन, बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त बिजली-पानी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच का भी लाभ मिलता है। हमारी सरकार इन विशेषताओं को बड़े औद्योगिक निवेश, स्थानीय रोजगार और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति और देश-विदेश में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग डेढ़-दो वर्षों में प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि निवेश प्रस्ताव अब वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं का स्वरूप ले रहे हैं। प्रदेश में लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के प्रति निवेशकों का भरोसा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के रूप में दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजित करना है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को निरंतर सरल बना रही है। सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि निवेशकों को आवश्यक अनुमतियां पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सकें।

आपराधिक के स्थान पर अब आर्थिक दंड

उन्होंने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे और प्रक्रियागत उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड के स्थान पर आर्थिक दंड की व्यवस्था की गई है। इससे व्यापार और उद्योगों के लिए अधिक विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है। सरकार का प्रयास है कि उद्यमी अनावश्यक प्रक्रियाओं में समय लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

बदलते बस्तर में निवेश की संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से बस्तर की परिस्थितियों में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है। सुरक्षा बलों के साहस और दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है।

उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा का यह नया वातावरण बस्तर सहित पूरे प्रदेश में औद्योगिक निवेश की नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। आने वाले समय में उद्योग, पर्यटन, कृषि प्रसंस्करण और स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यमों के विस्तार से बस्तर के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ में संसाधन और संभावनाएं के साथ ही निवेशकों के साथ खड़ी है सरकार भी

मुख्यमंत्री श्री साय ने निवेशकों को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आमंत्रण देते हुए कहा कि प्रदेश की रत्नगर्भा धरती प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। यहां उद्योगों के विस्तार के लिए व्यापक संभावनाएं हैं और राज्य सरकार निवेशकों के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उद्योग जगत की सक्रिय भागीदारी से प्रदेश को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाया जाएगा।

जवाबदेह, पारदर्शी और पारदर्शी व्यवस्था

मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार निवेशकों के लिए जवाबदेह, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित कर रही है। सिंगल विंडो सिस्टम में आवेदनों के निराकरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है। समय पर निराकरण नहीं होने की स्थिति में प्रकरण को स्वचालित रूप से उच्च स्तर पर भेजने और निर्णय से असंतुष्ट आवेदकों के लिए अपील की व्यवस्था भी उपलब्ध है। शासन और उद्योग जगत को विकास के साझेदार के रूप में कार्य करना होगा।

चित्रकोट बनेगा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य

मुख्य सचिव विकास शील ने बताया कि चित्रकोट जलप्रपात को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके साथ बस्तर के अन्य पर्यटन स्थलों को जोड़कर समग्र पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रयास है। इससे होटल, होम-स्टे, परिवहन, हस्तशिल्प और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में निवेश तथा स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश का लगभग 45 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित है। लघु वनोपज, औषधीय पौधों, हर्बल उत्पादों, कृषि प्रसंस्करण और वेलनेस सेक्टर में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। बस्तर में स्थानीय उत्पादों की पहचान कर क्लस्टर आधारित मॉडल से उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और विपणन की संपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान अब ऊर्जा, खनन, इस्पात और सीमेंट जैसे परंपरागत क्षेत्रों से आगे बढ़ रही है। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे भविष्य के उद्योगों में भी निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नई औद्योगिक नीति से निवेशकों का विश्वास हुआ मजबूत : उद्योग सचिव

उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने नई औद्योगिक विकास नीति, निवेशकों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहन और प्रक्रियाओं के सरलीकरण की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। उद्योग विभाग निवेश प्रस्तावों को वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में परिवर्तित करने तथा निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम को पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्वी क्षेत्र के चेयरमैन एवं आरडीबी ग्रुप के चेयरमैन विनोद दुग्गड़ ने भी संबोधित किया। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग विभाग के संचालक प्रभात मलिक, सुखदेव नाहर, सतीश पारख, बजरंग गोयल सहित देशभर से आए उद्योगपति और निवेशक उपस्थित थे।

जनता के एक-एक रुपये का सही उपयोग सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनता के एक-एक रुपये का सही उपयोग सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सार्वजनिक धन केवल वित्तीय आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश के नागरिकों की आशाओं, आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य से जुड़ा हुआ है। जब किसी गांव में सड़क बनती है, किसी स्कूल में नया भवन तैयार होता है, दूरस्थ आदिवासी अंचल में नल से जल पहुंचता है या किसी माता-बहन के खाते में महतारी वंदन योजना की राशि पहुंचती है, तो इन सभी के पीछे जनता का पैसा होता है। इसलिए इसका पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना सुशासन की बुनियादी आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री महालेखाकार आवासीय परिसर के सामुदायिक भवन में आयोजित ऑडिट पखवाड़ा 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को ऑडिट दिवस एवं ऑडिट पखवाड़े की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लेखा एवं लेखा परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी पर्दे के पीछे रहकर शासन की वित्तीय रीढ़ को मजबूती प्रदान करते हैं। उनका कार्य केवल आय-व्यय का हिसाब रखना नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए शासन की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना भी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। यही भावना शासन के प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक वित्तीय प्रक्रिया में दिखाई देनी चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग का ध्येय वाक्य 'लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा' सुशासन की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। लेखा परीक्षा शासन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसकी टिप्पणियों को बाधा के रूप में नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। लेखा परीक्षा एक ऐसे आईने की तरह है, जो शासन को अपनी कमियां पहचानने और उन्हें दूर करने की दिशा दिखाती है।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से उपयोगिता प्रमाणपत्र समय पर प्रस्तुत करने, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के बैंक खातों में उपलब्ध अव्ययित राशि का नियमानुसार उपयोग अथवा समायोजन सुनिश्चित करने तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों और विधानसभा की लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं पर समयबद्ध कार्रवाई करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि किसी बैंक खाते में अटकी हुई राशि केवल एक वित्तीय आंकड़ा नहीं है। वह किसी गांव की सड़क, किसी बच्चे की पढ़ाई, किसी किसान की जरूरत या किसी मरीज के इलाज के लिए स्वीकृत धनराशि हो सकती है। इसलिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि जनकल्याण के लिए स्वीकृत प्रत्येक राशि का निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप समय पर उपयोग हो और उसका वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन को अपनी कार्यसंस्कृति का आधार बनाकर पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में अलग से सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार ने लगभग एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। यह बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि प्रदेश के लगभग तीन करोड़ नागरिकों की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। इसका प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, अधोसंरचना और जनकल्याण के माध्यम से छत्तीसगढ़ के भविष्य को संवारने से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी 35 कोषालयों में ई-प्रांप्स और ई-वाउचर व्यवस्था लागू की गई है। एक अप्रैल 2026 से पूरे प्रदेश में डिजिटल भुगतान की नई व्यवस्था लागू होने से वित्तीय प्रक्रियाएं अधिक सरल और पारदर्शी हुई हैं। एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (ड्रुक्सड्रुस) नेक्स्ट जेन 2.0 के विभिन्न मॉड्यूल भी चरणबद्ध तरीके से लागू किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की माप पुस्तिका से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया ऑनलाइन करने के लिए डिजिटल व्यवस्था को मंजूरी दी गई है। इससे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और व्यय की प्रभावी निगरानी हो सकेगी।

मुख्यमंत्री ने डेटा आधारित लेखा परीक्षा को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विश्लेषण के उपयोग से वित्तीय जोखिमों, प्रक्रियागत कमियों तथा संसाधनों के उपयोग में सुधार की संभावनाओं की अधिक प्रभावी पहचान की जा सकती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद अगस्त 2001 से महालेखाकार कार्यालय प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पिछले 25 वर्षों में कार्यालय ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और सार्वजनिक धन के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

उन्होंने मासिक सिविल लेखे तैयार करने की समय-सीमा में हुए सुधार की सराहना करते हुए कहा कि पहले ये लेखे अगले माह की 25 तारीख तक तैयार होते थे, जबकि अब 10 तारीख तक तैयार किए जा रहे हैं। इससे शासन को वित्तीय स्थिति की अद्यतन जानकारी समय पर मिल रही है और निर्णय प्रक्रिया अधिक प्रभावी हुई है।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्तियों एवं व्यय का शत-प्रतिशत मिलान, अनुदानों के उपयोगिता प्रमाणपत्रों की शत-प्रतिशत प्राप्ति तथा अग्रिम लेखों के 99.9 प्रतिशत समायोजन को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण केवल संसाधनों की उपलब्धता से नहीं, बल्कि उनके सही नियोजन, पारदर्शी उपयोग और प्रभावी क्रियान्वयन से संभव होगा। शासन के प्रत्येक स्तर पर वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दोनों महालेखाकार कार्यालयों को उनके दायित्वों के निर्वहन में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। ऑडिट पखवाड़े के अंतर्गत 25 एवं 26 नवंबर को राज्य शासन के अधिकारियों, कोषालय अधिकारियों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा पेंशनरों के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इनसे वित्तीय प्रक्रियाओं, लेखा संधारण और पेंशन संबंधी व्यवस्थाओं की बेहतर समझ विकसित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सही लेखा-जोखा ही सुशासन की पहली सीढ़ी है और विकसित छत्तीसगढ़ का रास्ता पारदर्शिता एवं जवाबदेही से होकर जाता है। जनता के विश्वास और सार्वजनिक संसाधनों का सम्मान करते हुए राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को सुशासन, समृद्धि और विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्रधान महालेखाकार यशवंत कुमार ने कहा कि लेखा परीक्षा केवल वित्तीय आंकड़ों की जांच नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के सही उपयोग, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनविश्वास को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उन्होंने बताया कि 16 नवंबर 1860 को भारत के प्रथम महालेखा परीक्षक की नियुक्ति हुई थी। इसी ऐतिहासिक अवसर की स्मृति में प्रतिवर्ष ऑडिट दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग अपनी स्थापना के 166 वर्ष पूर्ण कर रहा है।

श्री कुमार ने बताया कि ऑडिट पखवाड़े में आधुनिक लेखा पद्धतियों, सामाजिक लेखा परीक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण और नवाचार पर केंद्रित प्रशिक्षण, परिचर्चाएं एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आईआईटी मद्रास जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ तकनीकी विषयों पर संवाद भी इस आयोजन का हिस्सा है।



डिप्टी सीएम अरुण साव ने युवाओं से की अच्छा नागरिक बनने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के ग्राम कोतरी के सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय महाविद्यालय में आयोजित युवा संवाद में विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के साथ एक अच्छा नागरिक बनना भी जरूरी है। सफलता कम मिले तो निराश न हो। कठिन परिस्थितियों में भी हौसले के साथ आगे बढ़ते रहें। जल्दी सफलता मिलने पर जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार रहें।

श्री साव ने महाविद्यालय की व्यवस्थाओं और सुंदर परिसर की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस महाविद्यालय का संचालन महानगरों के स्तर की व्यवस्थाओं के साथ हो रहा है। यहां के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के एनएसएस शिविर में शामिल होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विद्यार्थियों की ये उपलब्धियां लोरमी को पहचान दिलाएंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने टेबल टेनिस में लगातार चार वर्षों से महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। छात्र-छात्राओं के रक्तदान की सराहना करते हुए श्री साव ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह किसी जरूरतमंद को जीवन देने का सबसे बड़ा सेवा कार्य है। युवाओं का यह सेवाभाव समाज के लिए प्रेरणादायी है।

श्री साव ने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और खेलों के साथ समाज सेवा के प्रति भी समर्पित होना चाहिए। जीवन में अपनी सफलता के साथ समाज और देश के लिए भी योगदान देने का भाव रखे। युवा अपनी प्रतिभा और मेहनत से अपना भविष्य संवारे, साथ ही अपने गांव, क्षेत्र और छत्तीसगढ़ का नाम भी रोशन करे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कालेज बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, मंच के लिए 10 लाख रुपए एवं खेल मैदान के उन्नयन के लिए 40 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पहुंच मार्ग के लिए पहले ही 19 लाख रुपए की स्वीकृति हो चुकी है।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अखिलेश शर्मा, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप मिश्रा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, डॉ. उदय जायसवाल और श्री दिनेश साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्राध्यापकगण, ग्रामीण एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950